किसके पास जाएंगे हम?

भाई रसल। नहीं, यह... नहीं। हां, मेरा अर्थ... उसने यह कहा एक थोडा सा बड़ा है, सो मैंने कहा... उसने छोटी गलती कर दी थी इसलिए मैं समझा, यहां इधर से।

2 अच्छा, हम निश्चय ही यहां भाई रुडेल और उनकी कलीसिया के साथ आज रात्रि फिर आनंदित हैं। और इनके पास कुछ पंखे हैं, यदि आपके पास बिजली है, तो यह आपको घर जैसा लगता है। मैं वहां बाहर कार में बैठा हुआ था जब तक कि समय नहीं आए, क्योंकि मैं—मैं जानता था कि गर्म होगा। इंडियाना के समान लगेगा, हमारे यहां ठंड है और फिर गर्मी होगी, फिर हम सीधे जाडे में जाएंगे।

3 और इसलिए मैं दुगना, आज रात्रि, दुगना प्रसन्न हूं कि इस प्रचार मंच पर भाई रुडेल के साथ हूं, क्योंकि भाई रुडेल लगभग मेरे अपने लड़कों के समान है। मैं स्मरण कर सकता हूं, वर्षों पहले, जब उसके पिता और मैं एक साथ कार्य किया करते थे। और जब यह लड़का आया, और उसने अपनी पढ़ाई की, गॉड्स बाइबल स्कूल में गया, उसके लिए आरंभ करना, एक प्रकार से कठिन था। ऐसा लगा कि वह जो भी है बाहर नहीं आना चाहा। वह पिछड़ा, शर्मिला है। परंतु अंत में उसने जोर लगाया, और उसके जोर लगाने के ये फल है। और मैं स्वयं में सोचता हूं, कि भाई रुडेल बिल्कुल आरंभ में हैं। यह तो आरंभ है। और यह बताना कठिन है कि यह कब तक बढ़ेगा। मैं आशा करता हूं कि ये यहां घने जंगल को ढांप लेगा। जैसे एक...

4 मैं बाहर किसी से कह रहा था, भाई माइक ईगन से। कुछ वर्षों पहले, मैं यहां पर गिलहरी का शिकार खेला करता था। कैसे चीजें बढ़ती है। लगता है आबादी ने घेर लिया है। गिलहरी या खरगोश के शिकार के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है, यदि यह स्थान यहाँ पर बढ़ता रहा। जैसे की यह बस...

5 कुछ वर्षों पहले, यहां पुराने स्थान में जहां मेरा पालन–पोषण हुआ, जहां पड़ोसी के पास जाने के लिए एक मील चलना पड़ता था। अब आज

घर के पीछे पानी भी नहीं फेंक सकते, या तो आप उसके दरवाजे पर फेंक देंगे। इसलिए, हर एक एक साथ जमघट में आ गए।

6 यहां होना अच्छा है। और मैं आपको अधिक समय तक नहीं रोकूंगा। भाई रुडेल ने मुझसे कहा, कभी यहां आराधनालय में, रोगियों के लिए, प्रार्थना करने के लिए आए।

7 मैं सोचता हूं, इस प्रकार से युवा सेवक के लिए यह एक चीज करता है, जब हम आकर और बीमारों के लिए प्रार्थना करते है, और विशेषकर यदि हमारा प्रभु बस हमें उसकी महिमा को दिखाये, तो यह इस युवा कलीसिया को मजबूत करता है। मैं यहां अपने कुछ मित्रों को आराधनालय से देखता हूं, और कुछ ट्रस्टी, आदि लोग है। और अब, इन, लोगों ने प्रभु को बीमारों को चंगा करते हुए देखा है। और, अच्छा, यदि आज रात्रि वह हमारे लिए फिर से करें, अपनी महिमा में दृश्य पर आए, अपनी कुछ महिमा दिखाएं, तो यह—यह लोगों के विश्वास को दृढ़ करेगा। ये—ये उन्हें एक—एक आशा दिलायेगा।

8 यह भाई रुडेल की सहायता करेगा, क्योंकि भाई रुडेल ने ठाना है कि पूरा सुसमाचार प्रचार करेंगे। अब, मुझे उनसे निराशा होगी यदि उन्होंने ये नहीं किया। मैं निश्चित हूं कि प्रभु करेगा। इसलिए, फिर वह इसके साथ बना रहेगा। और हो सकता है ये छोटी–छोटी सभाये करे, इस तरह की, आप जानते हैं, हम में से कुछ पुराने प्रचारक भीतर आ सकते हैं, क्यों, यह उन युवा लोगों की सहायता करता है।

9 और अब, आराधनालय के लोगों, मैं कल आऊंगा, परन्तु मैं थोड़ा... अब, पंद्रह अगस्त तक के लिए अब मेरे पास कोई समय नहीं है। एक सभा के बाद दूसरी सभा है। इसलिए संभवत: मैं संडे स्कूल में आऊंगा, परंतु बोलने के लिए नहीं।

10 अभी लगभग एक घंटे पहले, मुझे सुनकर खेद हुआ, कि भाई नेविल, हमारे पास्टर, आज उनकी साली को दफन किया गया। आराधनालय वालों को मालूम होगा। मैं नहीं सोचता हूं कि भाई नेविल यहां है। इसके लिए मैं सोचता हूं यदि यह पहले मैं ये कहता मैंने उन्हें चारों ओर देखा। मुझे लगता है कि उन्हें मालूम है कि वहां फूल भेजने है। मुझे नहीं मालूम। मुझे अभी–अभी थोड़ी देर पहले मालूम पड़ा। बिली ने मुझे बताया किसी ने उसे बताया कि भाई नेविल की साली आज दफन कर दी गई। निश्चय ही सुनकर खेद

लगा। वह विवाह के द्वारा, मेरे दूर के रिश्ते में थी। और उनके जाने से मुझे दु:ख है।

11 आज रात्री मेरे दो और मित्र वहां पर हैं: देवे राईट और मिस्टर हेंसन। मुझे पता भी नहीं था कि वे बीमार हैं। मैं सोचता हूं, वे दोनों चिकित्सालयो में मर गए, कल और इस प्रात:।

12 ये यह एक बात दर्शाने जा रहा है, कि हम यहां लंबे समय के लिए नहीं हैं। हम उस रेखा की ओर बढ़ रहे हैं। हम नहीं जानते कि किस समय परमेश्वर कार्ड की रेक में हमारा नंबर लेने जा रहा है। हमें उत्तर देना होगा।

13 जैसे कि आज रात्रि हम सेवा में प्रवेश करते हैं, मैं जानता हूं कि बहुत बुरी गर्मी है। परंतु हम स्मरण रखे हैं कि हम यहां सबसे अच्छा करने आए हैं, जो हम कर सकते हैं परमेश्वर को यह दिखाने के लिए कि हम निष्ठावान हैं और हम उस से प्रेम करते हैं। और हम यहां प्रत्येक व्यक्ति से चाहते हैं, जो उस से प्रेम नहीं करता, हम चाहते आज रात्रि आप उससे प्रेम करें। वे सब जो उस पर विश्वास नहीं करते हम चाहते हैं कि आप आज रात्रि उस पर पूर्ण हृदय से विश्वास करें। होने पाए कि यह सभा कुछ ऐसा हो जो यहाँ इस आराधनालय में एक इतिहास का चिन्ह हो, कि आप इस समय की ओर संकेत करके और कहे, "उस रात्रि, प्रभु हमारे पास आया और ऐसा–ऐसा किया।"

14 इसलिए, अब, इसके पहले वचन पढ़ने के लिए बाईबल खोलें...

15 क्या आप मुझे पीछे सुन सकते हैं, वहां बहुत पीछे? लगता है *वहां,* यदि आप... क्या आप सुन सकते हैं ठीक हैं? क्या ये ठीक है, *वहां*? मैंने बहुत से सिरों को हां भरते नहीं देखा। अब कैसा है, अब ठीक है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ठीक है। तो बस इसे फिर *ऐसे* ही रखें।

16 अब हम अपने सिरों को एक क्षण प्रार्थना के लिए झुकाए। और मुझे आश्चर्य है, कि इस क्षण की पवित्रताई में, क्या कोई यहां है जो चाहता हो कि उसे प्रार्थना में इसमें रखा जाए, अपने हाथ उठाने के द्वारा? परमेश्वर आपको आशीष दे, आप में से प्रत्येक को। वह देखता है और जानता है।

17 हमारे अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, हम तेरी उपस्थिति में आदर के साथ आ रहे हैं, केवल अपने झुके हुए सिरों के ही साथ ही नहीं, बल्कि अपने झुके हुए हृदयो के साथ भी। क्योंकि हम यह अनुभव करते हैं कि यह आपके वचन में लिखा है, "जहां भी दो या तीन जमा होंगे, मैं उनके मध्य

में होऊंगा।" इसलिए हम सुनिश्चित है कि आप अब यहां पर है, कि वह महान पवित्र आत्मा इस छोटे भवन में घूम रहा है, क्योंकि यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा है।

18 हम आप से प्रार्थना करते हैं कि आज रात्रि आप हमारी सभा को आशीषित करें। इस एक छोटी कलीसिया और इसके सेवक को आशीषित करें, और इसके सारे सहयोगियों, और सारे सदस्यों को। और होने पाए यह बढ़े और बढ़े जब तक कि यह परमेश्वर के राज्य के लिए, ऐसा प्रकाश स्तंभ ना बन जाए कि दूर और पास के लोग, यहां पर प्रभु के कार्यों को देखने नहीं आ जाते। होने पाए कि ये पुराने मंदिर के समान हो, कि समस्त संसार से लोग सुलेमान की बुद्धिमानी को सुनने आते थे, और बहुत सी महान चीजें घटित हो। और जब भी हम उसके नाम में एकत्र हो, जो कि मिलने का स्थान है, प्रभु का मंदिर।

19 और हम आप से प्रार्थना करते हैं कि आप आज रात्रि अपने दासों की सुनेंगे, और प्रार्थनाएं जो हम आपसे करेंगे, वे गाने जो हम गाते हैं। और प्रभु वचन को आशीषित करें। और जैसा कि ये आगे जाता है यह वास्तव में उपजाऊ भूमि में गिरे। प्रभु, ठीक इस समय, हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप प्रत्येक हर भरी कटीली झाड़ी, हर कड़वी जड़ को, और सारे अविश्वास को, लोगों के हृदय से बाहर निकाल देंगे; ताकि वचन अच्छी, परिपूर्ण, उपजाऊ मिट्टी में गिरे, ताकि ये लोगों के लिए एक महान फल लेकर आए।

20 उन सब को आशीषित करें जिन्होंने इसमें हाथ बटाया है। आपने उन्हें देखा और उनकी आवश्यकताओं को जानता है। पिता आपके पवित्र पुत्र, प्रभु यीशु के नाम में होकर, आप इसे प्रदान करें, हम इसे मांगते है। आमीन।

21 आज रात्रि, आप जिनके पास अपनी बाईबले है, मैं चाहता हूं कि आप मेरे साथ यूहन्ना, का 6वां अध्याय निकाले, और हम 66वे पद से आरंभ करेंगे, कुछ वचन पढ़ेंगे। संत यूहन्ना 6:66।

> *इस पर उसके चेलों में से बहुतेरे उल्टे फिर गए, और उसके बाद उसके साथ ना चले।*
>
> *तब यीशु ने उन बारहों से कहा, क्या* तुम *भी चले जाना चाहते हो?*

शमौन पतरस ने उसको उत्तर दिया, *कि हे प्रभु, हम किसके पास जाएं? क्योंकि अनन्त जीवन की बातें तो तेरे ही पास है।*

और हमने विश्वास किया है और जान गए हैं कि, परमेश्वर का पवित्र जन तू ही है।

22 मैं इसे मूल पाठ में लुंगा, मैं इसे यह बनाना चाहता हूं: *किसके पास जाएंगे हम?*

23 आप जानते है, कि आज के लोग इस प्रकार के महान व्यवहार में हैं। लोग जा रहे हैं, यह ना जानते हुए कि कहां जा रहे हैं, और लगता है कि चिंता भी नहीं है। बस आराम के साथ जहां चाहते हैं चले जाते हैं, और—और एक प्रकार से आराम को ढूंढने वाले है वह वैसा ही है। जैसा उसने अदन वाटिका में परमेश्वर को छोड़ा, और उसे स्वयं को अलग हो जाने के लिए छोड़ दिया था। उसने दृश्य में परमेश्वर को छोड़ दिया, और जहां जाना चाहा चला गया, और एक प्रकार से सुख के लिए पागल।

24 और—और वह अपने भाव में अधिक नहीं बदला। वह अपने विचारों में अधिक नहीं बदला। वह अब भी अंजीर के पत्तों वाला धर्म चाहता है, आप जानते हैं। वह इसे बनाना चाहता है, स्वयं अपने से और स्वयं को ढांकना चाहता है, और ऐसे चलना चाहता है, जैसे, मैं ऐसा कहना चाहता हूं, ऐसे जैसे कि संतुष्ट हो स्वयं की बनाई हुई संतुष्टि, यदि यह वचन अर्थ रखते हैं। वह स्वयं को विश्वास दिलाना चाहता है कि वह संतुष्ट है। जबकि, वह अपने प्राण में वह जानता है कि वह गलत है। वह जानता है कि मनुष्य को जो भी करना है, वह आरम्भ से ही दूषित है। और वह स्वयं को अधिक नहीं बचा सकता सिवाये कि अपने जूते के तस्मे कस कर चांद पर जा कूदे। वह यह नहीं कर सकता। ऐसे करने की चाह में, वह एक चीते के समान हैं जो चाट कर, अपने धब्बे मिटाना चाहता हो। वह केवल अपने पापों को अधिक चमका सकता है। परंतु वह, अब भी, वह सुनना नहीं चाहता। वह बस इधर–उधर घूम रहा है।

25 परन्तु, पतरस, उसमें हम में से आज रात्री बहुतो के समान उत्तर दे सकता था। उसे कुछ भिन्न मिला था। वह यीशु से मिला था, और वह जान गया कि इसमें कुछ और है जो इस घूमने फिरने से अधिक है। कोई भी जो कभी यीशु से मिला, वह अधिक भटकना नहीं चाहता। उसे कुछ हो गया, जब से वह यीशु से मिला। अब वह वैसा नहीं रहा। और यह पतरस यीशु

से मिला, और उसने यीशु में कुछ पाया जो कि किसी से भी भिन्न था। यीशु के समान कभी कोई मनुष्य नहीं था। और उसने उसमें कुछ महान पाया, कि उसने इस प्रश्न का यह उत्तर दिया, "प्रभु, हम किसके पास जाएंगे? "

26 यीशु ने कहा, "अब, यदि—यदि तुम उन सत्तर के साथ जाना चाहते हो, तो आपकी इच्छा, आगे बढ़े और जाएं।"

27 परंतु पतरस ने कहा, "हम कहां जाएंगे? हम किसके पास जा सकते हैं? क्योंकि केवल तेरे ही पास अनंत जीवन का वचन है।" उसे छोड़ और किसी के पास नहीं था। और पतरस उनके साथ काफी लंबे समय से था, और उसने उसके आश्चर्य कर्म और चिन्ह, और चमत्कार परमेश्वर की ओर से देखे थे, और जान गया था कि यह सत्य था, और उसके पास अनन्त जीवन का वचन था।

28 ओह, यदि हम उसके संग लंबे समय से यह पहचानने के लिए होते कि, केवल उसी के पास अनंत जीवन का वचन है।

29 अब यीशु के पास ऐसा क्या था जो किसी से भी बहुत भिन्न था? वह रब्बी लोगों से भिन्न क्यों था? रब्बी एक याजक था। वह एक शिक्षक था, एक विद्वान। संभवतः है, शिक्षा के संसार में, यीशु से बहुत आगे।

30 हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है कि यीशु कभी विद्यालय गया, या मनुष्य से कुछ सीखा हो। उसे इसकी आवश्यकता नहीं थी। वह परमेश्वर का पुत्र था। उसे ये स्वर्ग से प्रगट किया गया था, कि क्या करना है। और इस स्वर्गीय प्रकाशन ने इन चेलो के ऊपर एक ऐसा प्रभाव डाला था, जब तक की पतरस ने कहा, "किसके पास हम जाएंगे, कि यह पाए? "

31 और आज रात्रि यह वैसे ही वास्तविक है। यह सब पाने को हम कहां जाएंगे यदि हम उसके पास ना आए होते?

32 अब, मैंने यहां कागज के टुकड़े पर सात कारण, या सात बातें लिखी हुई हैं, कि वे कारण, कि, हमें यीशु के पास आना चाहिए। मैं अलग बीस या तीस मिनट में इन सात बातों के विषय में बोलना चाहता हूं, इसके पहले कि हम बीमारों के लिए प्रार्थना करें।

33 क्यों, यह क्या था, यीशु के पास, जो की भिन्न था? केवल वही अकेला क्यों होना चाहिए?

34 पहली बात, यीशु ने कहा, "मार्ग मैं हूं।" अब, केवल एक ही स्वर्ग है, और एक ही परमेश्वर है, और वहां पहुंचने का एक ही मार्ग है। बहुत से मार्ग नहीं है, परंतु वहां पहुंचने का केवल एक ही मार्ग है। और यीशु ने कहा, "वह मार्ग मैं हूं।"

35 अब, हम दूसरा मार्ग बनाने का यत्न करते हैं। हम यह कहने का यत्न करते हैं कि एक और मार्ग है। हमारे पास मतसार का मार्ग, और उसका पालन करने का यत्न करते हैं। कलीसियाओ में हम से बहुत से, हमारा एक मतसार है जिसको हम—हम स्वीकार करते हैं। और हो सकता है, वह ठीक हो, उस अंजीर के पत्ते से ढकने के लिए।

36 परंतु यदि आप स्वर्ग जा रहे हैं, तो आपको यीशु के द्वारा आना है, क्योंकि वह मार्ग है। स्वर्ग जाने का कोई दूसरा मार्ग नहीं हो सकता, केवल यीशु के द्वारा।

हमारे पास मार्ग हैं जिन्हें हम, "हमारा नामधारी कहते हैं।"

आज आप एक मनुष्य से पूछे, "क्या आप मसीही हैं? "

"ओह, मैं एक मैथोडिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही हैं? "

37 "मैं एक बैपटिस्ट हूं। मैं प्रेसबीटेरियन हूं। पेंटीकोस्टल, या नाज़रीन, या कुछ इस प्रकार का।" प्रश्न यह नहीं है।

38 मसीही होने के लिए, आपको मसीह में होना है। और मसीह में होने के लिए केवल एक मार्ग है, और वह मतसार के द्वारा नहीं या कलिसियाओ के, परंतु पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में से होते हुए। हमें नया जन्म पाना है। और जब हम नया जन्म पाते हैं, तो हम मसीह में हैं। और यदि आप मसीह में हैं, तो आप मार्ग में हैं, क्योंकि वही मार्ग है।

39 बाईबल में यीशु ने एक बार अपने लोकप्रिय दृष्टांत में कहा, एक मनुष्य था। कि, जिसके लिए उसने कहा कि एक धनी मनुष्य था, और उसने अपने पुत्र का भोज किया, जो ब्याह का भोज होने जा रहा था। और उसने लोगों को निमंत्रण भेजा कि आएं। और जब भोज तैयार था और परोसने के लिए सब कुछ तैयार था, सारे अतिथि गण बैठ चुके थे। और भोज के मेज पर एक व्यक्ति बिना विवाह के वस्त्रों के साथ पाया गया।

40 अब, बहुत से लोग जो बाईबल पढ़ते हैं उनके लिए यह बहुत जाना पहचाना वचन है।

41 और राजा ने इस व्यक्ति से कहा, "मित्र, तू बिना विवाह वस्त्र के यहां कैसे हैं? " प्रश्न पूछा गया, "तू क्यों बिना विवाह पोशाक के आया है? "

42 और क्या आपने ध्यान दिया कि, बाईबल ने कहा, कि, "वह कुछ बोल ना सका।" उसके पास कोई बहाना नहीं था।

43 अब, मुझे सौभाग्य मिला कि मैं शाही महलों और शाही विवाहो को देखा। वे नहीं बदलते। हजारों वर्षों तक, वही रीतियां रहती हैं।

44 अब, जब वहां विवाह भोज के लिए दिया जाता है, किसी के सम्मान में, तो दूल्हा, जो आने वाले लोग होते हैं, सब को पोशाक देता है, क्योंकि उसके मित्रों में निर्धन, और धनी, और विभिन्न प्रकार के लोग होते हैं। परंतु प्रत्येक जिस को निमंत्रण दिया गया, और उस निमंत्रण पर दूल्हे का नाम होता है। और वह उस निमंत्रण को द्वार पर लाता है। और वहां पर एक—एक पल्लेदार होता है, और उसके पास वस्त्र होते हैं।

45 इसलिए, एक व्यक्ति आता है, जो बहुत सुहावने वस्त्र पहने हुआ था, और पल्लेदार साधारण वस्त्र पहने था। अगला व्यक्ति आता है, वह साधारण है, उसके वस्त्र बुरे नहीं थे, परंतु उसके पास उसी प्रकार की पोशाक थी जो धनी पुरुष के पास थी। और फिर अगला व्यक्ति आता है, ओह, नहीं कोई संदेह नहीं, परंतु क्योंकि भोज में आमंत्रित किया गया था, और उसके मित्र के लिए आदर की बात थी, जब तक कि वह अपने वस्त्र ना धो लेता और, ओह, स्वयं को तैयार करने के लिए बहुत कुछ किया, परंतु उसने सब व्यर्थ में किया।

46 ऐसे ही हम हैं, हम, इस विषय में कुछ नहीं कर सकते। परमेश्वर ने हमारा उद्धार यीशु मसीह के द्वारा दिया। और हम जो करते हैं उसके द्वारा नहीं, या हम कितने अच्छे कार्य कर सकते हैं। जो कि, ठीक हैं, इसके विरोध में कुछ नहीं है। "परंतु यह अनुग्रह है जिसके द्वारा आप बचाए गए हैं, विश्वास के द्वारा।"

47 और तब यह कंगाल मनुष्य भी उसी प्रकार की पोशाक पाता है जो उस धनी पुरुष के पास है। और दूसरे लोगों के पास है तब जब वे मेज पर बैठे हुए हैं, सब एक से दिखाई पड़ते हैं।

48 अब, इस व्यक्ति को क्या हुआ, क्या हुआ? "वह चुप हो गया," क्योंकि वह खिड़की से चढ़ा था, या किनारे के दरवाजे से आया था, या दिए गए द्वार को छोड़ कहीं और से आया था। और वह पोशाक लेने से चूक गया।

49 न्याय के दिन भी इसी प्रकार से होगा। दूसरे मार्ग हैं। कलीसियाओं के मार्ग हैं। मतसार के मार्ग हैं। विभिन्न चीजों के—के मार्ग हैं। परंतु यीशु ने कहा, "मैं वह मार्ग हूं।" संत यूहन्ना 10, उसने कहा, "भेड़ो का द्वार मैं हूं।" और आज लोग, वैसे ही है जैसे तब थे, उन्होंने उस मार्ग को लेने से इंकार कर दिया। वे अपना ही मार्ग चाहते हैं। वे सोचते हैं यह भी वैसे ही अच्छा है।

50 यहां कुछ समय पहले, मैं सोचता हूं यह लुईसविले में था, एक युवा पुरुष था। और उसके कान में कुछ गड़बड़ थी, तो, वह अपने डॉक्टर के पास गया, उसके डॉक्टर ने उससे कई सप्ताहों तक प्रतीक्षा करवाई। और वह और खराब हो गया। अंत में, डॉक्टर ने कहा, "मुझे आपको किसी विशेषज्ञ के पास भेजना होगा।"

51 और जब विशेषज्ञ ने मामले की जांच की, तो यह चिकित्सा का कोई बड़ा नाम है। मैं नहीं समझता कि, मैं जानता हूं, यदि मैं बता सकता होता, तो मुझे उसे लिखना पड़ता, और घंटों उसके अक्षरों का अभ्यास करता। तब आप जानते कि मैंने क्या कहा जब मैंने उसका अक्षर विन्यास या इसे कहता, क्योंकि मुझे नहीं मालूम कि यह कहां से आरंभ है। परंतु उसके कान में कुछ गड़बड़ थी, जिससे उसका जीवन जा सकता था। उसने कहा, "मामला अधिक बिगड़ गया है। और मैं नहीं समझता कि कोई भी इस मामले का गहराई से निदान देगा, देखकर की वास्तव में सत्य है या नहीं, परंतु एक विशेष व्यक्ति जो सेंट लुईस में रहता है, एक डॉक्टर।"

52 और वह लड़का तुरन्त सेंट लुईस गया। यह डॉक्टर अवकाश प्राप्त कर न्यू ऑरलियंस चला गया था। वह दक्षिण वासी था, इसलिए वापस न्यू ओरलिन्स चला गया था। लड़के ने तुरंत हवाई जहाज पकड़ा, और न्यू ओरलिन्स पहुंचा। बूढ़े डॉक्टर ने देखकर, कहा, "पुत्र, उन्होंने सही निदान किया है, और यह बहुत बढ़ चुका है।"

53 और युवक ने कहा, "क्या आप शल्य चिकित्सा करेंगे? "

54 उसने कहा, "नहीं, पुत्र। मैं यह नहीं कर सकता। अब मेरे हाथ स्थिर नहीं है।" उसने कहा, "अब, मैं नहीं जानता परंतु समस्त संसार में एक

व्यक्ति है, जो इस शल्य चिकित्सा याने ऑपरेशन को कर सकता है।" उसने कहा, "वह व्यक्ति अब न्यूयार्क में है, और छह महीने की अवकाश अवधी के लिए यूरोप जा रहा है। मैं नहीं जानता कि तुम उसे पकड़ पाओगे या नहीं; और यदि आप उसे पकड लोगे, तो वह शल्य चिकित्सा करेगा भी या नहीं। केवल वही एक व्यक्ति है जिसे मैं इस दुर्लभ रोग के लिए जानता हूं, और ऑपरेशन कर सकता है। और तुम प्रतीक्षा नहीं कर सकते। तुम छह महीनों के भीतर मर जाओगे।"

55 उसने कहा, "टेलीफोन से उस से बात करो। कुछ करो। मैं मरना नहीं चाहता। कैसे भी उसे रोक लो।" और अंततः उन्होंने डॉक्टर को पकड़ लिया और शल्य चिकित्सा के लिए तैयार हो गया।

56 अब, जब यह युवक उस बूढ़े डॉक्टर से बातें कर रहा था, और उसने उसे बताया कि उसकी परेशानी क्या थी, और केवल एक ही व्यक्ति इस शल्य चिकित्सा को कर सकता था। और उसने उस बूढ़े डॉक्टर की ओर नहीं देखा, जैसा की कुछ लोग सेवक की ओर देखते हैं जब वह उन्हें बताता है कि बचने के लिए केवल यीशु ही मार्ग है। उसने डॉक्टर की ओर नहीं देखा, कहा, "डॉक्टर, बहुत ही अच्छा व्याख्यान। निश्चय ही मैं आपकी बातों में आनन्द पाता हूं। दूसरे समय मैं फिर आपको सुनने आऊंगा।"

57 अब, इसी प्रकार से लोग मसीहत को लेते हैं। परंतु यदि आप यह अनुभव करते हैं कि मार्ग को अस्वीकार करना मृत्यु है। इसी कारण से पतरस ने कहा, "कौन है जिसके पास हम जाएंगे? क्योंकि केवल तेरे पास ही अनंत जीवन है। केवल तू ही है, और केवल एक ही मार्ग जो परमेश्वर ने रखा है, और वह अनंत जीवन है।"

58 अब, हमें स्मरण रखना चाहिए कि वह मार्ग है। और यदि आप मसीह में हैं, आप मसीह में, मसीह में जन्म लेने के द्वारा आए हैं। अब आवश्यकता नहीं कि लोगों को मार्ग बताएं, और मार्ग क्या है, जब तक आप उन्हें ये नहीं बताएं कि उसमें कैसे आएं। अब, आप ने मसीह में जन्म लिया है। आप उसका भाग हो गए। आप एक नए प्राणी हो गए है, या एक नई सृष्टि हो गए, जब आप परमेश्वर के राज्य में जन्म लेते हैं। आप मसीह का भाग हो गए।

59 जब मैंने ब्रंहम परिवार में जन्म लिया, तो मैं जन्म लेने के द्वारा ब्रंहम हो गया। इसी प्रकार से आप मसीह का भाग हो गए। और जिस विधि से आप

मार्ग में आए हैं, नए जन्म के द्वारा। वह ठीक है। इसी प्रकार से आप मार्ग पर आते हैं। और यीशु ने कहा, "मार्ग मैं हूं।" हम इस पर अधिक समय तक रुकेंगे।

60 परंतु अगली बात ये है, कि वह सत्य है। कुछ भी या किसी के पास सत्य नहीं है सिवाए और उसके।

61 ओह, मैं जानता हूं कि आज हमारे पास करने के लिए धार्मिकताए हैं, और वो कहते हैं, "अच्छा, अब हम सत्य हैं। हमारे पास सत्य हैं।" हम एक कलिसिया के पास जाते हैं, वे कहते हैं, "हमारे पास सत्य हैं।" दूसरी कलिसिया में जाते हैं, वे कहते हैं, "हमारे मतसार, हमारे पास सत्य हैं।" हम दूसरे के पास जाते हैं, "हमारे पास पुराना प्रश्नोउत्तरी हैं। हमारे पास सत्य हैं।"

62 यीशु ने कहा वही सत्य था, इसलिए जब तक आपके पास यीशु नहीं है आपके पास सत्य नहीं हो सकता। आप उसे कैसे पाते हैं? नया जन्म लेने के द्वारा। परंतु आप सत्य नहीं पा सकते जब तक आपके पास यीशु नहीं है।

63 आप मार्ग पर हो ही नहीं सकते, जब तक आप मसीह में नहीं है। आप उसमें कैसे आते हैं? "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया।" तब आप यीशु में है। तब आप मार्ग में है। तब आप सत्य में है। यीशु ने कहा, "मार्ग और सत्य मैं हूं।"

64 और दूसरी बात, तीसरी चीज, यीशु, हम उसके पास आए हैं, केवल वही वो ज्योति है। यह ठीक बात है। ओह, हम इस पर सहमत हैं, परंतु यह सत्य हैं। केवल यीशु ही ज्योति है।

आप कहते हैं, "मैं एक रसलवादी, केम्पबेल वादी हूं।"

65 आप जो भी हो सकते हैं, यह झूठी ज्योति है। आप रसलवादी कलीसिया में हो सकते हैं। आप केम्पबेलवादी कलीसिया में हो सकते हैं, या किसी और "ज्योति" कलीसिया में। परंतु जब तक आप यीशु में नहीं होते, आप ज्योति में नहीं है। आप अब भी अंधकार में हैं। आपके पास तब तक ज्योति नहीं है जब तक आप उस तक नहीं आ जाते। क्योंकि वह मार्ग है, सत्य हैं, और ज्योति है, और परमेश्वर तक एक मात्र मार्ग। "बिना मेरे कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता।" इसलिए, आप परमेश्वर के पास नहीं पहुंच सकते, आप स्वर्ग नहीं पहुंच सकते।

66 आपको मार्ग को लेना ही है, और यीशु वह मार्ग है। यदि कोई है तो वही केवल सत्य हैं। और केवल वही ज्योति है, केवल सत्य ज्योति। केवल सत्य, प्रगट हुई ज्योति यीशु मसीह। हमारे पास मारमोन ज्योति है। हमारे पास मैथोडिस्ट ज्योति है। हमारे पास बैपटिस्ट ज्योति हैं। हमारे पास पेंटीकोस्टल की ज्योति है। हमारे पास सब प्रकार की ज्योतियां है, परंतु सच्ची ज्योति यीशु है। केवल वही ज्योति है।

67 यदि हमने नया जन्म पाया है। तो हम बालक हैं, हम दिन के बालक हैं।

68 संसार के बालक अंधकार में चलते हैं। वे रात्रि में चलते हैं। वे अंधकार से प्रेम करते हैं। बाईबल ने ये कहा, "मनुष्यों का प्रेम, लोगों ने ज्योति से अधिक अंधकार से प्रेम किया, क्योंकि ज्योति उनके कामों को प्रगट करेंगी।"

69 सूर्य को ऊपर आने दे, और प्रत्येक पुरानी छिपकली, पुराने कीड़े मकोड़े अंधेरे राज्य के, रात्रि में रेंगते हैं, किसी चीज के नीचे होंगे। इसी प्रकार से जब सुसमाचार की ज्योति चमकने लगती है, तो हर बुरा कार्य किसी चीज के नीचे जाने का यत्न करता है। "ओह," वे कहते है, "हमारे पास—हमारे पास ज्योति है, क्योंकि हम—हम रात्रि के समय जीते हैं।" यदि रात्रि के समय उजियाले में चले, तो आप बनावटी ज्योति में चल रहे हैं। दिन की सच्ची ज्योति केवल एक हैं। और वह सूर्य की ज्योति है।

70 केवल एक ही सच्ची मसीही ज्योति है, और वह परमेश्वर के पुत्र की ज्योति है। केवल वही सच्ची ज्योति है। जी हां।

उसमें जीवन है, कि, जैसे निश्चित रूप से सूर्य ज्योति, ज्योति को उत्पन्न करती है।

71 सारा वनस्पति जीवन सूर्य के उजियाले से बाहर आता है। बीते वर्ष, और जाड़े ने कैसे हर चीज को जमा दिया। परंतु जैसे–जैसे सूर्य पृथ्वी पर चमकने लगा, क्या हुआ? नया जीवन ऊपर आ गया, नया।

72 मैं एक व्यक्ति से बाते कर रहा था, श्री वुड से। हम वहां केन्टकी मे थे। एक मनुष्य से मिला और वह मैं समझता हूं एक नास्तिक था। मैंने सुना वह हाल ही में चला गया। और वह, श्री वुड, उसके पास ये पूछने गए कि उसके क्षेत्र में हम गिलहरी का शिकार कर सकते हैं। उसने कहा, "निश्चय ही, बैंक तुम गिलहरी का शिकार कर सकते हो। जाकर करो।"

उसने कहा, "मैं अपने पास्टर को भी लाया हूं।"

73 उसने कहा, "तुम्हारा अर्थ तुम इतने नीचे चले गए हो, वुड, कि तुम्हें हर समय एक प्रचारक चाहिए? " और उसने कहा...

74 मैं कार से निकलकर और उधर की ओर बढ़ा। और वहां एक सेब का पेड़ था, वह और एक सज्जन पुरुष वहां नीचे बैठे थे। और इसलिए मैंने एक सेब उठाया और खाने लगा। और वह मुझ से बातें कर रहा था। और मैंने... भाई वुड ने उसका परिचय कराया। जैसे... कहा, "हमारे पास्टर से मिलिए।"

75 और मैंने कहा, "श्रीमान, आप कैसे हैं? " और हम थोड़ा सा चले, और वह बातें करने लगा कि वह कभी भी आराधना भवन में नहीं गया, और वह नहीं जानता कि उसे कोई घटी होगी।

मैंने कहा, "ओह, हां, तुम्हारे पास है।" मैंने थोड़ी देर तक उसे बोलने दिया।

76 उसके कह चुकने के बाद, उसने कहा, "एक प्रचारक जो यहां कैंम्पबैलविले में आया था, या एक्टन, छोटे से शहर में, मैथोडिस्ट के पड़ाव मैदान में।" और कहा, "कि इसके पहले वह यहां कभी नहीं आया। और एक रात्रि जब वह प्रचार कर रहा था, अपने तीन रात्रि की सभाओं में, उसने पीछे भीड़ में देखा, और वहां एक महिला को बैठे हुए देखा, और उसे बताया कि वह अपनी बहन के लिए प्रार्थना कर रही है जो यहां पहाड़ों में रहती है, और कैंसर से मर रही है। कहता है, 'तुम्हारी डायरी में रुमाल है।' और कहा कि, 'उस रुमाल को लेकर उस महिला पर रख देना, और वह चंगी हो जाएगी।' "

77 कहा, "उस प्रातः, पत्नी और मैं वहां थे।" और कहा, "हमने उस बूढ़ी महिला की चादर बदली। वह दो वर्षों से पलंग से नहीं उतरी थी, या अधिक से। पेट का कैंसर। वह अपने पेट पर पानी भी नहीं रख सकती थी।"

78 और कहा, "बहन सभा से उठी, और उस रात निकल गई, और आकर रुमाल उस महिला पर रखा।" कहा, "अगली प्रातः, वह अंडे पका रही थी, और मांस खाने के लिए नाश्ता बना रही थी।"

79 और कहा, "वह वहां है। ये तीन–चार साल पहले की बात है, और," कहा, "वह अब भी चंगी है।"

80 उसने कहा, "अब, यदि वह कभी इस जगह फिर आएगा, मैं उसे सुनुंगा।" कहा, "क्योंकि, उसने कुछ उत्पन्न किया पढ़ने वाले शब्दों से अधिक दिखाई पड़ा। उसने किसी चीज का परिचय कराया जो जीवन और जीवित था। कैसे मालूम पड़ा कि वह वहां पहाड़ों में रह रही है? "

81 मैंने भाई वुड की ओर देखा और अपना सिर हिलाया। और मैं वहां कीचड़ से लथपथ खड़ा था, और गिलहरियों का लहू, और शिकार से सब कुछ। उसे बिल्कुल आभास नहीं था कि वह मैं प्रचार कर रहा था। इसलिए वह—वह वहां थोड़ा खड़ा हुआ, या बल्कि बैठ गया।

82 और मैंने कहा, "श्रीमान, आपका अर्थ, यदि आप कुछ ऐसा देख सके जो परमेश्वर दिखे, परमेश्वर ने कुछ अलौकिक किया? "

83 "ओह, हां," उसने कहा, "इससे मुझे विश्वास होगा।" मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।" मैंने कहा, "यह सेब का पेड़ कितना पुराना है? "

84 उसने कहां, "कोई तीस वर्ष का। मैंने इसे लगाया था, इसलिए और इतने वर्ष।"

मैंने कहा, "यह हर वर्ष ये सेब उगाता है? "

"हां।"

85 मैंने कहा, "यह लगभग अगस्त के मध्य की बात है। एक भी बर्फ नहीं पड़ी थी या ठंडी हवा नहीं चली थी।" मैंने कहा, "हमारे यहां कोई भी मौसम नहीं था, केवल गर्मी। और मुझे बताएं क्यों, यह कैसे था, कि वह पत्तियां पेड़ पर से गिर रही थी? "

उसने कहा, "जीवन रस नीचे जमीन में जा चुका है।"

86 मैंने कहा, "यदि यह वापस ना जाए, तो यह पेड़ ठंड में मर जाएगा? "

87 "यह ठीक बात है। जीवन रस पेड़ में रहे तो मर जाए। इसे जड़ों में जाकर और छिपना है।"

88 मैंने कहा, "आप मुझे बताएं जीवन रस को कौन यहां गर्मी के बीच में लाता है, कौन सी बुद्धि इसे जड़ में ले जाती है, कि जाड़ों में जीवित रह पाता है, ताकि अगले बसंत में वापस आ जाए, ताकि सेब की अगली फसल आए। मैं आपको बताता हूं, उसी आत्मा ने मुझे बताया कि जाकर उस स्त्री पर जाकर वह रुमाल रखें। यह वही परमेश्वर है।"

उसने कहा, "आप वह प्रचारक नहीं है? "

89 मैंने कहा, "हां, श्रीमान, मैं ही हूं।" मैंने कहा, "आप देखिए, आप सभा में कुछ भेजते हैं, परंतु परमेश्वर आपके चारों और हैं। हमें स्थान में आप उसे देखे बगैर रह नहीं सकते। प्रकृति को देखें।"

90 अब, कुछ लोग सूर्य के उजियाले में चलने के लिए मना कर सकते हैं। क्या हो यदि कोई ऐसा व्यक्ति हो? वह कहेगा कि, "ओह, सूर्य चमक ही नहीं रहा है। नहीं, श्रीमान। मैं विश्वास नहीं करता।" और अपने तहखाने में भाग जाए। कहे, "जब अंधेरा हो जाएगा मैं तब ही निकल कर आऊंगा। जब मैं आता हूं... " तो वह सूर्य की सहायता के लिए मना कर देता है। अच्छा, यदि वो करता है, वह—वह उसकी अपनी मूर्खता है। निश्चय ही। बस सूर्य चमक रहा है। कोई आकर खिड़की पर शोर मचाए, "जॉन, बाहर आओ, सूर्य चमक रहा है।"

91 "मैं ऐसी अर्थहीन बात का इन्कार करता हूं। यह पागलपन है।" अब, निश्चय ही वो सूर्य की गर्मी को खोता है। वह निश्चय ही जीवन देने वाली किरणों को जो वो देता है, खो रहा है। वह उस सुंदरता को जो वह दर्शाता है, और वह जीवन जो वह लाता है।

92 इसी प्रकार से, पुरुष और महिलाएं स्वर्ग में मतसार के द्वारा जाने का यत्न कर रहे हैं, कलीसिया के द्वारा स्वर्ग जाने का यत्न कर रहे हैं, बिना यीशु के। आप यह नहीं कर सकते। वह मार्ग हैं, सच्चाई है, और ज्योति है।

93 जितनी निश्चितता के साथ सूर्य सारे वृक्षों के जीवन को लाता है, एस–ओ–एन पुत्र अनंत ज्योति लाता है। और वही केवल अनंत ज्योति है। इसलिए हमें उसके पास आना चाहिए। कलीसिया के द्वारा हम चूक जाएंगे। हम मतसार के द्वारा चूक जाएंगे। हम केवल उसके पास आकर अनंत जीवन पा सकते हैं। केवल वही। पतरस ने कहा, "केवल आपके के पास ही यह है। यही कारण है इसके लिए हम यहां पर हैं। हम तेरे पास इसे लेने आए हैं।"

94 अब, आप देखिए जब ये सूर्य का उजियाला चमकने लगा, क्यों, वहां—वहां भूमि में बीज नहीं है परंतु क्या जीवित रहेगा। ये इसकी सहायता नहीं कर सकता।

95 आप अपने रास्ते पर एक ओर पटरी बनवा ले, या अपने मार्ग पर, उस पर रोडी सीमेंट डाल कर, उसे छार फुट चौड़ा बना ले। और आप सूर्य को चमकने दे, और घास उग आएगी, जहां पर आपकी घास थी? उसके

किनारे–किनारे पर ही। यह क्या है? ये वे जड़े हैं। आप सूर्य से जीवन को नहीं छुपा सकते। वह सूर्य चमक रहा है, वे छोटी–छोटी जुड़े सैकड़ों गज दूर से अपना मार्ग बना लेती है, यदि आवश्यकता पड़ती है, और वे ऊपर आ जाएगी। यह वह घास है जो पैदल पटरी के नीचे थी। यही जो नीचे थी उजियाला चमकता है। और जब ज्योति चमकती है, तो जीवन अपने अस्तित्व में आ जाता है।

96 और जब परमेश्वर का पुत्र ह्रदयो पर चमकता है, तो अनन्त जीवन अस्तित्व में आ जाता है।

97 "मार्ग, सत्य, और ज्योति मैं हूं।" तीन कारण है जिसके लिए हमें आना चाहिए।

98 चौथा है, केवल यीशु ही बचाव और सुरक्षा की नींव है कि उस पर कुछ भी बन सकता है। यह ठीक बात है। केवल यही नींव जिस पर बनाया जा सकता है। बाकी सारी नींवे धंसने वाली रेत हैं। "मसीह पर जो ठोस चट्टान है मैं खड़ा होता हूं; वे सारी दूसरी जमीने धसने वाली रेत है।"

99 बहुत से लोग धन पर बनाते है। वे कार्य करने का यत्न करते हैं, देखते हैं कि कैसे कितने पैसे से बना सकते हैं। वे कहते हैं, "यदि मैं इसे खर्च नहीं कर सकता, तो मेरे बालक मेरे बाद कर सकते हैं।" यह क्या करता है? यह फिर से आपको दासत्व में ले जाता है। आप अपने पैसों के दास हो जाते हैं। बहुत से लोग संभव है... ऐसा होने के लिए आपको लखपति नहीं बनना पड़ता। आप केवल पैसों का लालच कर सकते हैं, और आप भी वैसे ही दोषी हैं जैसे एक लखपति। समझे? जैसे कि बहुत से लखपति है, वैसे ही बहुत से पैसे वाले, नरक में होंगे। क्योंकि यह आपकी मनोस्थिति इसके प्रति, जो कि परमेश्वर ने आपको दिया है। अब, यदि, आप इसे धन पर बनाना चाहते हैं, तो यह गिर पड़ेगा।

100 तो फिर यह एक महान बात है कि यह अमेरिका इसे बनाने का यत्न कर रहा है। यह इसे लोकप्रियता पर बनाने का यत्न कर रहा है। युवतियां, युवक, टेलीविजन सितारों को सिनेमा के सितारों की ओर देखते हैं, उनके समान व्यवहार करने का, कपड़े पहनने का, उनकी नकल करने का यत्न करते हैं। यह क्या करता है? उपद्रव के बर्बाद जीवन की ओर ले जाता है। यह ठूंठ और भूसा, जो कि न्याय के दिन जलाए जाएंगे।

101 यीशु ही केवल नींव है, केवल निश्चित नींव। इसलिए हमें उसके पास आना चाहिए। किसी और के पास ये नींव नहीं है। धनी लोगों के पास नहीं है। लोकप्रियता में यह नहीं है।

102 और, आज, हमारे पास बहुत सी बनी हुई नीवे है। ओह, हम चाहते हैं... हम केवल... अमेरिकन लोग कुछ नहीं कर सकते; रविवार को उन्हें—उन्हें बाड़ बनाना होती है; उन्हें *यह* करना है। आप क्या कर रहे हैं? आप क्या अनुभव करते हैं? बहुत जल्द ही आपकी इमारत टुकड़े–टुकड़े होने जा रही है। यह नींव बारीक रेत है।

103 हम में से, बहुत से शिक्षा पर बना रहे है। हम शिक्षकों को भी नहीं ले सकते कि विद्यालय में भेजें, जिस विषय में हम बातें कर रहे हैं। अब, यह अपने स्थान में ठीक हैं। विद्यालय ठीक है, अपने स्थान में, परंतु ये मसीह का स्थान कभी नहीं लेगा। नहीं, श्रीमान। अब हमारे पास... शिक्षकों को भी नहीं ले सकते। हमारे किशोरा–अवस्था वाले इतने असभ्य हैं, यहां तक की लोग उन्हें पढ़ाने का यत्न भी नहीं करते। लिटिल ओसवाल्ड और—और—और लेस और वे सब वे शिक्षक को इमारत से बाहर निकाल देंगे। वे धरना देंगे। वे हड़ताल करेंगे। वे विद्यालय को बंद कर देंगे। मैं उन्हें दोष नहीं देता, या फिर मैं विद्यालय का शिक्षक नहीं होता, यदि मैं इस से बाहर निकल सकता होता।

104 परन्तु हम शिक्षा के विषय में बातें कर रहे हैं। अब, यह ठीक है, शिक्षा। हम अनपढ़ों का झुंड नहीं चाहते, परंतु हम शिक्षा को उसी के स्थान में चाहते हैं। परन्तु आज परेशानी यह है कि, हम अपने प्रचार मंच को शिक्षित करना चाहते हैं। और जब हमने किया तो हमने बाहर का मार्ग अपना लिया। और मसीह वह नींव और वह मार्ग है। जब शिक्षा लाते हैं... शिक्षा ठीक है।

105 परंतु, सुनिए, बहुत सी बार शिक्षा, शिक्षा के प्रेत की ओर ले जाती है। और शिक्षा का प्रेत आपको सब कुछ जानने के लिए मार्गदर्शन करता है। और जब आप वहां पहुंचते हैं तो आप नास्तिक हो जाते हैं, और मसीह का इन्कार करते हैं। इसलिए आप शिक्षा की नींव पर नहीं बना सकते।

106 ना ही हम इसे राजनिति की सामर्थ पर बना सकते हैं। आप कहते हैं, "अरे, भाई, मैं बहुत ही रुची रखता हूं। मैं डेमोक्रेट हूं। मैं रिपब्लिकन हूं। मैं... " दोनों ही दल सड़े हुए हैं।

107 केवल एक ही नींव है। मसीह पर बनाएं। इस राष्ट्र को मसीह को छोड़ और किसी नीव पर बनाने की आवश्यकता नहीं है। ठीक है। कोई और दूसरी नींव नहीं रखी गई; ना ही कोई दूसरी नींव है, कि आप स्वर्ग को पहुंच जाएं। यीशु मसीह की नींव को छोड़, और कोई नींव सुरक्षित नहीं है।

108 कुछ समय पहले, न्यूयार्क में, मैं अपने सेवक मित्र के साथ कार में जा रहा था। और मैंने कहा, "ओह, वह बड़ी इमारत! ओह!" मैंने कहा, "वहां देखिए। संभवत: ये पचास या साठ मंजिल की है। ओह! यह तो बहुत बड़ी जगह है। कितनी सुंदर है!" मैंने कहा, "अच्छा, उसमें कोई नहीं है।"

उसने कहा, "नहीं, और वहां कोई नहीं है, ना होगा।"

109 मैंने कहा, "क्या बात है? " उसने कहा मुझे उस इमारत की लगभग कीमत का ब्यौरा दिया कि कितने कि है, लाखों में, जो उस इमारत के बनाने में लगे।

"अच्छा, " मैंने कहा, "तो इसमें कोई क्यों नहीं गया? "

110 कहा, "जब यह इमारत लगभग बन चुकी, बाहर से पॉलिश हो गई, और सब कुछ, " कहा, "तब उन्हें मालूम चला कि नींव ठीक नहीं है। ये किसी प्रकार के पत्थर पर रखी है, जो कि वास्तविक पत्थर नहीं है, इसलिए इमारत दोषी ठहर गई। और इसलिए ये केवल एक बात के लिए है, कि ठेकेदार इसके चोटी पर चढ़े और कूद पड़े, ताकि आत्महत्या कर ले।"

111 कोई मतलब नहीं कि बाहर से कितनी अच्छी प्रतीत हो, कोई और दूसरी नींव उतनी निश्चित नहीं है, केवल यीशु मसीह को छोड़। वही वह वास्तविक नींव है जिस पर बनाया जाए।

112 मेक्सिको, एक सुंदर शहर; जहां मैं दो वर्षों पहले था। जहां वह मृत बालक...

113 मैंने शहर में एक व्यक्ति को उठाया जितनी पी सकता था, पीए था, कुछ समय पहले, उसे ऊपर ला रहा था। और उसने कहा, "मैंने आपको एक बार खड़े हुए देखा था, आदरणीय, डॉक्टर, या कुछ ऐसा ही।" वह कैथोलिक था, उसने कहा। और कहा, "उस मृत बालिका को फिर से जीवित करो। मैंने, " कहा, "मैंने सदा आपका सम्मान किया है।"

मैंने कहा, "क्या आप यीशु को जानते है? "

उसने कहा, "मैं कैथोलिक हूं।"

114 मैंने कहा, "मैंने आपसे ये कभी नहीं पूछा कि आप कौन सी कलीसिया के हैं। मैंने कहा, 'क्या आप यीशु को जानते हैं? '"

115 और मैंने उसे उस बेचारी कैथोलिक महिला की कहानी बताई जो वहां प्रातः नौ बजे खड़ी थी, उस मृत बालक को गोद में लिए हुए, रात्रि साढ़े दस तक खड़ी रही। वर्षा हो रही थी, और कैसे परमेश्वर ने उस छोटी बालिका को फिर जीवित कर दिया। मैं उन्हें घोषित नहीं करने दूंगा जब तक डॉक्टर घोषित ना कर दे। कहा, "बालक मरा हुआ था।" उसने यह घोषणा की इस प्रातः नौ बजे "मरा हुआ।" और ये उसी रात्रि साढ़े दस बजे। और आज छोटा बालक जीवित है, जहां तक मैं जानता हूं।

116 अब, और उस नगर में, यह सुंदर नगर है। परंतु इमारतें सब की सब पिछड़ने लगी है, क्योंकि वे लोग आधुनिक समय की इमारतों में बहुत रुचि रखते हैं, कि इमारतों को सुंदर और चमकदार बनाए। जो कि मुझे संदेह है कि संसार में कोई स्थान होगा जो उसे सुंदरता में मात दे। परंतु वे गहराई में जाने के लिए असफल रहे कि चट्टान तक पहुंचते।

117 मित्रो, आज हमारी कलीसियाओ के साथ यही मामला है। बैपटिस्ट, मैथोडिस्ट, प्रेसबीटेरियन, पेंटीकोस्टल, नाजरीन के साथ यही बात है। हमे व्यक्तिगत रीति पर खोदना है, अपनी कलिसियाओं पर निर्भर नहीं करना है। हमें स्वयं ही तब तक खोदना है, जब तक हम वह चट्टान यीशु तक नहीं पहुंच जाते। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अद्योलोक के फाटक उस के विरोध में प्रबल नहीं होंगे।" वही केवल सच्ची नीव है, सच्चाई की।

118 तब, दूसरी चीज, पांचवी, मुझे यह कहना है। केवल वही सफल और सुरक्षित आनंद और शांति है। यही कारण है हम उसके पास आते हैं। ओह, मैं जानता हूं कि आप मूर्ख के समान हंस सकते हैं, या आप यहां से निकल कर और तब तक हंस सकते हैं, जब तक, आप किसी चुटकुले पर उन्मादी नहीं हो जाते जो कि किसी फिल्मी सितारे ने करा हो, या ऐसे ही कुछ। या कोई, आप इतनी अधिक पी सकते, और इस प्रकार से हंस सकते हैं, और जैसे आप कोई मूर्ख हो, परंतु उससे शांति नहीं मिलती। कोई दूसरी शांति नहीं है, और कोई आनंद नहीं है, जैसी यीशु मसीह के पास आने से हैं।

119 मैंने लोगों को पहनते देखा है। मैंने युवा स्त्रियों को स्वयं को अपने साथियों में बढ़ाई मारते देखा है, और ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे बहुत प्रसन्न है। परंतु वे है नहीं। वे केवल रंगों की आग बना रहे हैं। आप चित्रकारी की आग से गर्म नहीं हो सकते।

120 मैंने युवाओं को देखा है जो ये सोचने का यत्न करता है कि उसकी मांसपेशी इतनी बड़ी है कि कील ठोकने पर भी वह उसे नहीं छू सकती, और चाकू की फाल उस पर मुड़ जाएगी। उसे बस कुछ वर्ष दे, और वह बूढ़ा और झुर्रीदार हो गया। मसीह के बाहर कोई अनन्त आनन्द नहीं है।

121 इधर देखिए। मैं... यहां कोई भी आज रात्रि सिद्ध स्वास्थ्य में है, आपका परिवार अच्छे स्वास्थ्य में है, आपके चारों ओर। मां के विषय में क्या है वह यहां नहीं है? आप कैसे जानते हैं कि आपके पिता अभी मरने वाले नहीं हैं? आप कैसे जानते हैं कि आपके बालक मरेंगे नहीं, कुछ मिनटों पहले, यहां से अलग? कैसे जानते हैं कुछ घटित नहीं हुआ? आप कैसे जानते है कि आप आज रात्रि इस इमारत के बाहर जा रहे हैं? आप हृदयघात में गिर सकते हैं। आप नहीं जानते। इसलिए मसीह के बाहर कोई अनंत आनन्द नहीं है। यही कारण है कि हमें उसके पास आना चाहिए।

122 आप व्हिस्की पी सकते है। आप आनन्दित हो सकते है। आप सांसारिक चीजे ले सकते है। परन्तु वे सफल आनन्द नहीं है। उसके समान कोई शांति नहीं दे सकता। वह शांति देता है।

"ओह," आप कहते है कि, "आपके पास शांति है।"

123 यदि आपको कभी वास्तविक शांति मिली है, तो आपको यह यीशु मिला है। आप जब तक उसके पास नहीं आते हैं; शांति क्या होती है आप नहीं जान सकते।

124 मैंने लोगों को, राजाओं को, शासको को, महान व्यक्तियों, खिलाड़ियों, फिल्मी सितारों, और उन सब लोगों को देखा है। वे लोग शांति में नहीं है। उन्हें देखें। उनकी आंखों को कुछ मिनटों के लिए देखिए। वे विक्षिप्त हैं। समझे?

125 कोई पुरुष नहीं, कोई महिला नहीं, कोई बालक नहीं, किसी के पास भी यीशु के बाहर शांति नहीं है। "मैं अपनी शांति तुम्हें देता हूं। ना कि जैसे संसार, मैं तुम्हें देता हूं।" समझे? ना कि जैसे संसार तुम्हे शांति देता है, परन्तु उसके पास अनन्त शांति है, विश्राम की शांति। यदि तुम जीवित हो,

यदि तुम मरते हो, कोई... मतलब नहीं यदि वर्षा होती है, या सूरी चमकता है, आपके पास शांति है, जो भी हो।

126 मैं भाई शेकेरियन के उस पुराने नंबर को पसंद करता हूं, जो वह गाते हैं, महान, बड़ा, बूढ़ा व्यक्ति गाता है, "मेरे पास नदी की सी शांति है, मेरे पास नदी की सी शांति है।" ओह, यह ठीक बात है। जब आपके पास शांति हैं, तो आपके पास मसीह है। मसीह आपकी शांति है। इसलिए हमें मसीह के पास शांति पाने के लिए आना चाहिए।

127 अब, छठवीं बात के लिए मैं एक बात और कहना चाहता हूं। वह, या... हां। छठवीं बात, वही केवल एक अंतिम उपलब्धि है। मुझे बताएं जो चीज आप पा सकते हैं, जो आपकी अनंत उपलब्धि हो, यीशु मसीह को छोड़कर।

128 एक अच्छा घर बनाए। लाखों डॉलर पा ले। राष्ट्र की लोकप्रिय महिला हो जाएं। सबसे मजबूत व्यक्ति हो जाएं जैसा कभी भी कोई सड़कों पर चला हो। संसार के कीर्तिमान हो जाए, इनाम जीतने वाले, आप जो भी होना चाहे। देखिए यदि आप ढीले कमजोर नहीं हो जाते और मर जाते हैं। ठीक है। नहीं होगा परंतु थोड़े सूर्य के दिन इसे करते हैं।

129 इसलिए, केवल एक ही उपलब्धि है, जो यीशु मसीह है। वहां, यदि वही विशेष है और सबसे अच्छा जो हम प्राप्त कर सकते हैं, इसलिए आओ—आओ हम उसे अपनी उपलब्धि बना ले। हम निश्चित हो जाएं कि हम उसे पा लें। आप प्रचारक हो सकते है, आप पास्टर आप डिकन, आप कलीसिया के सदस्य हो सकते हैं; परंतु यदि आप अपनी उपलब्धि में नहीं है... पाने के लिए आप कह सकते हैं, "जब तक मैं प्रचारक नहीं बन जाऊंगा मैं नहीं रुकुंगा। मैं तब तक नहीं रुकुंगा जब तक मैं डिकन नहीं बन जाऊंगा। जब तक मैं कलीसिया सदस्य नहीं बन जाऊंगा मैं नहीं रुकुंगा।" वे बातें ठीक है, सम्मान जनक है। परंतु, भाई, यहां सुनिए, बिना यीशु मसीह को पाए बिना मत रुकिए, या फिर आपको अनंत जीवन नहीं मिला। क्योंकि, आप पास्टर, सेवादार आपके सेवादारी का कार्य मिट जाएगा। आपका एक डीकन के समान कार्य जल्द ही मिट जाएगा। लोगों के मस्तिष्क से आपकी सदस्यता की याद लोगों में मिट जाएगी, बस थोड़ा समय बीतने दें। परंतु यदि आपने यीशु मसीह को प्राप्त कर लिया है, तो आपके पास अनन्त जीवन है, और आप कभी नहीं मर सकते।

130 अब, अन्त में, मैं यह कहना चाहता हूं। दूसरा कारण कि हमें यीशु के पास आना चाहिए। वही केवल वही जो बदल गया। मैं बहुत आनंदित हूं। इससे मुझे धार्मिक अनुभूति होती है। केवल वही बदल सकता है। जी हां, श्रीमान।

131 मैं आपको बताऊं। आप प्रातः दुकान पर जाएं, या सोमवार प्रातः कल रविवार होने के कारण से। आप दवाई की दुकान पर जाएं और अपने लिए कोई दवाई ले जो आपको इतना पवित्र बना दें जब तक कि आप महिमा में ना बदल जाए। डॉक्टर को शल्य चिकित्सा करने दे—दे, जो आपको कब्र से बदलकर महिमा में ले आए। आप इतने चतुर और शिक्षित हो जाए कि आप जान जाए कि दूसरी बाबुल की मीनार कैसे बनाएं; उसका भी उसी प्रकार से अंत हो जाएगा। ढूंढ़े। किसी और मार्ग पर जाने का यत्न करें, और ढूंढे।

132 ये केवल वे होंगे जो मसीह में हैं परमेश्वर उन्हें उसके साथ ले आएगा। केवल एक ही रूपांतरण हैं जो कि पृथ्वी से महिमा में, वह केवल यीशु मसीह के द्वारा है। केवल वही रूपांतर है, रूपांतर का केवल मार्ग। आप इसे खरीद नहीं सकते। आप नहीं कर सकते। आप इसके लिए कार्य नहीं कर सकते। आपको इसे पाना है। यह आपके लिए वरदान हैं। परमेश्वर का रूपांतर आपको लेने के लिए।

133 जाए और जाकर कोई दवा खरीदे जो आपका रूपांतरण कर दे, एक बूढ़े पुरुष या महिला से, वापस युवा पुरुष और महिला में। ढूंढे यदि आप पा सके। तो आप कभी नहीं पा सकेंगे। दवाई के संसार में ये कभी भी साकार नहीं होगा। ये किसी भी क्षेत्र में सिवाये यीशु मसीह के दृश्य में नहीं आएगा।

134 परंतु उसने यह कहा, "वह जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है उसके पास अनंत जीवन है, मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊंगा, उसे बदल दूंगा, और महिमा में ले जाऊंगा।" "यदि पृथ्वी की देह गिरा जाए, यह पृथ्वी का डेरा गिरा तो हमारे पास एक है, जो प्रतीक्षा कर रहा है।" रुपान्तरण, अदल बदल होने वाले घर, जो एक से दूसरे स्थान को जाए। केवल वही है जिसके पास अनंत जीवन है। केवल वही है जिसके पास आनंद है।

135 क्या मैं यह भी कह सकता हूं? केवल वही है... उसी में ही केवल स्थान है जिसमें आप जा सकते हैं, जहां आप उसे देख सकते हैं। केवल स्थान जिसमें कि आप उसे समझने योग्य हो सकते हैं, जब आप उसमें आ जाते हैं। आपको उसमें आना ही है, इसे समझने के लिए। यदि नहीं तो आप केवल—आप केवल इधर–उधर भटकेंगे और अपना सिर सुनेंगे। आप अनुमान लगाएंगे। और आप... जब तक की आप भ्रमित ना हो जाएं। आप इसे कभी नहीं समझ पाएंगे।

136 यही कारण है कि उन दिनों में, यहूदियों ने, कहा, "क्यों, यह व्यक्ति बालजबूब है। यह व्यक्ति *ये, वह,* और *आदि* है।" वे कभी भी उसके पास नहीं आए। उन्होंने उसे मार्ग के रूप में कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने उसे कभी एक सत्य के रूप में स्वीकार नहीं किया, एक ज्योति के समान, एक नीव के समान, पहिला और अंतिम, अल्फा, ओमेगा, के समान और वे सब चीजे जो वह है। वह सर्वे–सर्वा है। यही कारण है कि जब उन्होंने उसे देखा तो वे उसे नहीं समझ सके।

137 फिलिपुस आता है, जो कि जाकर नतनएल को लाता है, नतनएल को लाया। और नतनएल, यीशु... की उपस्थिति में आया। बल्कि यीशु ने उसकी ओर देखा, और कहा, यीशु ने उसकी ओर देखा और कहा, "देखो ये इस्राएली जिसमें कोई कपट नहीं है।"

कहा, "रब्बी, तूने मुझे कब से जाना? "

138 कहा, "इसके पहले फिलिपुस तुझे बुलाता, जब तू पेड़ के नीचे था, मैंने तुझे देखा।" वो...

139 प्रचारक वहां आसपास खड़े हुए थे, याजक लोग, उन्होंने कहा, "यह व्यक्ति बालजबूब है। इसके अंदर शैतान है। यह भावी कहने वाला है।"

140 यीशु ने कहा, "यह तुमने मेरे विरुद्ध कहा है, मैं तुम्हें क्षमा कर दूंगा। परंतु एक दिन पवित्र आत्मा आ रहा है, उन्हीं कार्यों को करने, और उसके विरोध में एक भी शब्द वह कभी भी क्षमा ना होगा, ना तो इस संसार में ना आने वाले संसार में।"

141 "आप कैसे कर सकते हैं," उसने कहा, "तुम मुझे कैसे दोषी ठहरा सकते हो, जब कि तुम्हारा अपना वचन कहता है कि तुम 'ईश्वर' हो? और यदि वे 'ईश्वर,' कहलाए जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, तो तुम मुझे कैसे दोषी ठहरा सकते हो जब मैं कहता हूं मैं परमेश्वर का पुत्र हूं? "

142 "यदि तुमने मेरे पिता को जाना होता तो तुम मुझे भी जानते।" यह ठीक बात है। उसने कहा, "कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक मेरा पिता ही उसे ना खींच ले।" कोई मनुष्य परमेश्वर को नहीं समझेगा, सिवाए मसीह के, तुम मसीह को स्वीकार करते हो। तुम दिव्य चंगाई को नहीं समझ सकते।

143 कोई क्यों कहता है कि, "यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" यहां छोटा पास्टर इसे प्रचार कर सकता है।

144 आप में से कुछ असमंजस में पड़ सकते हैं और कहते है, "आह, मैं इसका विश्वास नहीं करता।" समझे? इस पर विश्वास करने की कोई स्थिति नहीं है। केवल इसे विश्वास के द्वारा, स्वीकार करें, और तब आप इसे देखेंगे।

145 यीशु ने कहा, "और थोड़ी देर बाद संसार मुझे ना देखेगा, संसार मुझे और ना देखेगा। तो भी, तुम मुझे देखोगे; तुम, विश्वासी, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा; तुम्हारे अंदर होऊंगा, इस संसार के अन्त तक। जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे। बल्कि इससे भी अधिक तुम करोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं। मैं जाऊंगा, तब मैं फिर तुम्हारे पास आऊंगा और तुम्हारे साथ होऊंगा।"

146 निकुदिमस ने प्रश्न पूछा। "मैं कैसे फिर से जन्म ले सकता हूं। मैं एक बूढ़ा मनुष्य हूं। अपनी माता के गर्भ में फिर दूसरी बार प्रवेश करूं? "

147 उसने कहा, "जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना ले, वह परमेश्वर के राज्य को देख नहीं सकता।" अब, इसका वास्तविक अनुवाद "समझना," है परमेश्वर के राज्य को समझना। परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अंदर है, इसलिए आप वास्तव में इसे देख नहीं सकते, जब तक आप इसे होते हुए ना देखें। परंतु केवल एक ही मार्ग है कि आप इसे समझने के योग्य हो, आपको नया जन्म लेना होगा। फिर से जन्म लेने के लिए, आपको परमेश्वर के आत्मा से भरना है, तब आप मसीह में है। और जब आप मसीह में हैं, पवित्र आत्मा जिसने बाईबल को लिखा, वह प्रगट मसीह आप में है, कि उस स्वयं को पहचाने। आमीन। इसलिए आपको उसके पास आना चाहिए।

148 आज अमेरिका के साथ यही मामला है। यह सभाएं देश में पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में छा गया है। यही कारण है कि अणु बम वहां इस राष्ट्र

के लिए लगाये गये है। यही कारण है विनाश निकट है। क्योंकि परमेश्वर के कार्य प्रगट हुए हैं, और लोग इसे बिना ग्रहण किए चले गए, क्योंकि वे उसे नहीं चाहते। वे उससे शर्माते हैं। ओह, वे अपनी कलीसियाओ से नहीं शर्माते। वे अपने धर्म से नहीं शर्माते। परंतु वे यीशु मसीह से शर्माते हैं।

149 जब चेलो ने अपनी कलीसिया छोड़ दी, और पेंटीकोस्टल पर पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया, जिससे वे शराबी के समान लड़खड़ाए, अन्य भाषाओं में बोले, और आगे–आगे बढ़ते गए, और रोगियों को चंगा किया, और आदि–आदि। और वे एक अनपढ़, गवारो का—का—का झुंड कहलाए गये थे। बाईबल ने कहा, "वे अज्ञानी और अशिक्षित दोनों थे। परन्तु उन्होंने ध्यान दिया कि वे यीशु के साथ थे," क्योंकि उन्होंने उसी प्रकार का व्यवहार किया जो उसने किया। वे जान गए कि उसका जीवन उनमें है, क्योंकि वे उन्ही कार्य कर रहे थे जो उसने किए।

150 यीशु ने संत यूहन्ना 14:7 में कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूं वह भी करेगा।" आप यही हैं। इसलिए आज हमें मसीह के समीप आना चाहिए।

151 मैं विश्वास करता हूं कि मसीह जल्द आ रहा है। मैं विश्वास करता हूं कि हम मार्ग के अंत में हैं। मैं विश्वास करता हूं कि राष्ट्र टूट रहे हैं। मैं विश्वास करता हूं कि अंत समय समीप है। मैं यह जानता हूं, खुले रुप में, मैं इसे ठीक–ठीक जानता हूं। मैं आगे बढ़ूंगा, और कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि मैं इसे जानता हूं।" हम मार्ग के अन्त में है। कितने दिन, कितने वर्ष या सप्ताह, मैं नहीं जानता। कोई नहीं जानता। यहां तक कि यीशु भी नहीं; उसने कहा, "केवल परमेश्वर जानता है।" मैं नहीं जानता कि यह कब होगा, यह कौन सी घड़ी होगी। परंतु मैं जानता हूं कि यह जल्द ही है, क्योंकि यह चीजें हैं जिन्हें उसके आने से पहले घटित होना है।

152 मित्रों मैं आज रात्रि आप लोगों को उत्साहित करना चाहता हूं, कि मसीह के बाहर। यदि आप निश्चित नींव चाहते हैं, वह मार्ग, सच्चाई, और ज्योति, आप यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत बचाने वाला स्वीकार कर ले और उसके आत्मा से भर जाएं। तब जब उसका आत्मा क्रियाशील होता है, तो आप उसके आत्मा को जान जाएंगे।

उस समय उनके साथ यही मामला था। उन्होंने उसे देखा।

153 वह स्त्री जो कुएं पर थी, वह उन दिनों के, प्रचारकों से परमेश्वर के विषय में अधिक जानती थी। क्यों, जैसे ही उसने उसे देखा, वह... वह सावधानी यहूदी के समान दिखाई दिया, बस एक साधारण व्यक्ति। और उसने उस महिला से कहा, "स्त्री, मुझे पानी पिला।"

154 उसने कहा, "क्यों, यह रीति नहीं है कि एक यहूदी सामरी से इस प्रकार कहे।"

155 उसने कहा, "परंतु यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही है तो, तू मुझसे पानी मांगती। मैं तुझे जो पानी दूंगा कि तू यहां भरने ना आए।"

156 वह उससे तब तक बातें करता रहा जब तक उसके विचार ना जान सका, उसे पकड़ा कि उसके साथ क्या गलत है। हम में से सब जानते है क्या गलत था। हम अमेरिकन लोग विश्वास करते हैं कि वह व्यभिचारनी थी। उसके पांच पति थे, और छठवें के संग रह रही थी।

इसलिए उसने कहा, "जाकर अपने पति को बुला ला।"

उसने कहा, "मेरे कोई पति नहीं है।"

157 उसने कहा, "तू ने सच कहा है। तेरे पांच थे, और जिसके साथ रह रही है वह भी तेरा पति नहीं है। तू ने सच कहा है।"

158 स्त्री ने कहा, "श्रीमान, मैंने जान लिया है कि आप एक नबी है। अब, हम जानते हैं, जब मसीह आता है, वह स्वयं को हम पर इसी प्रकार से प्रगट करेगा। हम जानते हैं वह हमें यह बातें बताएगा।"

उसने कहा, "मैं वही हूं, जो तुझ से बोल रहा हूं।"

159 उसने घड़ा छोड़ा, और वह नगर को चली गई। उसने क्या किया? उसने स्वीकार कर लिया। उसने यह स्वीकार कर लिया, वह प्रकाशन जब उसके पास आया। वह नगर को दौड़ गई और कहा, "आओ, एक मनुष्य को देखो उसने जो मैंने किया मुझे बता दिया। क्या यही तो मसीहा नहीं है? " उसने इसे स्वीकार कर लिया था। आप वहीं पर हैं।

160 जब, फरीसियो और सदूकियो ने पलट कर, कहा, "वह बालजबूब है। हमें उससे कोई लेना–देना नहीं। क्योंकि उनके... " उनकी एक नीव थी। उनका एक मार्ग था। उनका एक मार्ग था।

161 बाईबल ने कहा, "एक मार्ग है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है; उसके अंत में वह मृत्यु का मार्ग है।" इसलिए, उस मार्ग को ना ले जो ठीक जान पड़ता है।

162 मसीह के पास आए, यीशु को अपना बचाने वाला स्वीकार करें, और पवित्र आत्मा से भर जाए। तब, जब पवित्र आत्मा आपके मध्य में घूमेगा, आप इसे पहचानेंगे।

163 चंगा होने के लिए यही मार्ग है, जानते हैं कि कौन चंगा करने वाला है। यीशु मसीह चंगा करता है। यदि वह यहां आएगा तो, आज रात्रि कैसा व्यवहार करेगा, आपको चंगा करने के लिए? वह उसी प्रकार व्यवहार करेगा जैसे उसने पहले किया था।

164 एक स्त्री भीड़ में घुसी और उसका वस्त्र छुआ। वह पीछे घूमा और बोला, "मुझे किसने छुआ? " और सब खड़े हो गए। वह चारों ओर देखता रहा जब तक उसने उसे ढूंढ लिया। और उसने उसे बताया कि उसे लहू बहने का रोग था, और कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया।"

165 वह यीशु कल था। वही यीशु आज है, यदि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। आप इसका विश्वास तब तक नहीं कर सकते जब तक मसीह को आप अपने में प्राप्त नहीं कर लेते, तब उसने स्वयं गवाही दी, कि ये वही है। समझे मेरा क्या अर्थ है? उसे पाने का यही मार्ग है कि, उसे स्वीकार करें।

166 सात कारण है कि हमें उसे अब स्वीकार कर लेना चाहिए। हम किसी और के पास नहीं जा सकते। "केवल तू ही है।" इसे पाने के लिए आप किसी आराधनालय नहीं जा सकते। मैं किसी भी नामधारी कलीसिया को नहीं जानता कि आप जाकर यह पा सकते हैं। नामधारी कलिसिया के विरुद्ध मेरे—मेरे पास कुछ नहीं है। परंतु बहुत से लोग सोचते हैं, क्योंकि वे एक कलीसिया से जुड़े हैं, बस उन्हें यही करना है। आपको यीशु के पास आना है। वह मार्ग है, ना कि कलीसिया। वह सत्य है, ना कि कलीसिया। वह ज्योति है, ना कि कलीसिया। वह नींव है, ना कि कलीसिया की नींव। वह अनन्त आनंद है, अनन्त जीवन, केवल अंतिम उपलब्धि, केवल वही रूपांतरण है। परमेश्वर को जानने का केवल मार्ग, प्रकाशन देखने का केवल मार्ग, चंगा होने का केवल मार्ग, उसके पास आना। आपको उसके पास आना ही चाहिए, और उसे पहचानना, और उस पर विश्वास करना।

167 अब आप कहते है, "ठीक है, भाई ब्रंहम, मैंने ऐसे कार्य होते हुए कभी नहीं देखे।"

168 ठीक है, मैं आशा करता हूं आप देखते। मैं आशा करता हूं कि आप देखते हैं। सभा आरम्भ होने के लिए तय है। जो उसे पाना चाहते हैं, मैं चाहता हूं कि वे यहां हो, कि उसे जाने, उसे जानने के लिए प्रार्थना करेंगे। कितने उसे जानना चाहेंगे ताकि आप उसे पहचान सके यदि उसका आत्मा इस सभा में आता है? अपने हाथ उठाएं। कहे, "मैं उसे इस प्रकार से जानना चाहता हूं कि मैं उसे पहचान सकूंगा।" धन्यवाद।

169 आप उसे कैसे पहचानेंगे? क्योंकि वह उन्हीं कार्यों को करेगा जो उसने पृथ्वी पर रहते हुए करें थे। अब, संत यूहन्ना 5:19, उसने क्या कहा?

170 वह बेतसैदा के जल कुंड के पास से निकला, जहां, बहुत सारे लोग थे, अपाहिज, और टेढ़े। यीशु उन दो हजार लोगों, या उससे अधिक के, पास से होकर निकला। उसने एक व्यक्ति को गद्दे पर पड़े देखा। क्योंकि, वह जानता था, देखो; उसने उसे पहले देखा था। वह वहां इतने वर्षों से था। और उसने कहा... वह अपाहिज नहीं था, वह चल सकता था। उसने कहा, "क्या तू चंगा होना चाहेगा? "

171 उसने कहा, "मेरे पास कोई नहीं है कि मुझे पानी में ले जाए। जब मैं आ रहा होता हूं, कोई मुझसे पहले आ जाता है, तेजी से चल सकता है, पहले अंदर चला जाता है।" उसने कहा, "जब मैं आ रहा होता हूँ, दूसरा मुझसे पहले उतर जाता है।"

172 उसने कहा, "अपना पलंग उठा और अपने घर चला जा।" मनुष्य ने अपना पलंग उठाया और चला गया।

173 वह चला गया और उन्हें वहां छोड़ गया। अब, यह सुनने में अच्छा नहीं लगा, क्या लगा? परंतु वह यीशु था। ह्रदय में, "क्यों? "

174 अब, यदि आप दूसरा पद पढ़ेंगे, 19वां पद, आप समझेंगे कि उसने यह क्यों किया। जब उन्होंने उससे प्रश्न किया, उसने कहा, "मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, कि पुत्र स्वयं से कुछ नहीं कर सकता। लेकिन वह जिस प्रकार से पिता को करते हुए देखता है, उसी प्रकार से पुत्र करता है।" आप समझे यह? "जैसे पिता का कार्य होता है, वही मैं यहां पर करता हूं।" दूसरे शब्दों में, "पिता मुझे दर्शन दिखाता है। जो मुझे वह करने को कहता

है, मैं—मैं देखुंगा मैं बस वही कहूंगा जो वह मुझसे कहने को कहता है। मैं केवल वही करता हूं जो वह मुझे करने के लिए कहता है।"

175 यह नींव है। यही सत्य है। यही मार्ग है। यही ज्योति है। हाल्लेलुय्या! यही यीशु है।

कहे, "मैंने उसे कभी नहीं देखा।"

176 समाप्त करते हुए, मैं यह कह सकता हूं। कुछ सप्ताहों पहले, फ्लोरिडा में, मैक्सिको, खाड़ी के समीप, वहीं कहीं या, वहां किनारे के आस पास। वहां एक—एक डॉक्टर था, मैं सोचता हूं, कि वही था, जो मछली पकड़ने गया था। और उसने—उसने पुराना मार्गदर्शक भाड़े पर लिया जो कि बहुत ही अच्छा मार्गदर्शक माना जाता था, जो कि जानता था कि पानी से भीतर और बाहर कैसे लाया जाता है। और वह बूढ़ा मार्गदर्शक नाव में चढ़ा, और धक्का दिया, और वहां छोटी पतवार के टुकड़े से चला, और थोड़ी देर प्रतीक्षा की। और अभी दिन का उजियाला नहीं हुआ था।

177 और—और उस व्यक्ति ने उन अच्छी हवाओं को अनुभव करना आरंभ किया, जैसे कि वे हर प्रातः समुद्र पर घूमती हुई आती है। उसने कहा, "कहते हैं," वह सोचने लगा, "हम समुंदर में तैर रहे हैं। लहर हमें दूर बीच में ले जा रही है।" उसने नाव को देखा, ऐसा लगा कि वे बढ़ रहे थे। उसने कहा, उसने सोचा, "मैं उस मार्गदर्शक से बात नहीं करना चाहता, परंतु अच्छा हो कि मैं अच्छा हो—मैं अच्छा हो कि मैं कुछ कहूं।" वह जंगली हो गया। उसने कहा, "श्रीमान कहिए, हम तैरते हुए समुद्र के बीच में जा रहे हैं, क्या हम नहीं जा रहे हैं? "

"ओह," उसने कहा, "मैं नहीं सोचता।" शान्त, चुप।

178 थोड़ी देर बाद, उसने ध्यान दिया कि, नाव अब भी धुंध और अंधेरे में बढ़ रही है। उसने कहा, "हम समुंदर में जा रहे हैं। कुछ कीजिए। आप मार्गदर्शक हैं। कुछ कीजिए। जल्दी करिए। हम समुन्द्र में जा रहे हैं। हम किस मार्ग से वापस जाएंगे? "

179 वह बूढ़ा मार्ग दर्शक, जितना शांत हो सकता था, वह शांत वहां बैठा था, और कहा, "तो, थोड़ी देर प्रतीक्षा करें, उजियाला हो जाएगा, तब हम जान पाएंगे हम कहां हैं।"

180 बस थोड़ी देर प्रतीक्षा करें। संभव है परमेश्वर का सच्चा उजियाला आज रात्रि इस भवन में चमके। तब आप देखेंगे कि आप कहां हैं। तब आप देखेंगे कि हमें इसके बाद कौन से मार्ग से जाना है।

आइए प्रार्थना करें।

181 स्वर्गीय पिता, पवित्र शास्त्र में कहा गया है, "मार्ग, सत्य, और ज्योति मैं हूं। मुझे छोड़ कोई पिता के पास नहीं आ सकता। भेड़ शाला का द्वार मैं हूं।" "**मैं हूं, मैं हूं, मैं हूं,**" और आगे–आगे, जब तक की अंत में आप यह नहीं कह देते, "**मैं हूं सो मैं हूं,**" है। वह "**मैं हूं**" वह कल नहीं था ना ही आने वाला कल। यह सदा एक सा है, "**मैं हूं**।" हर युग हर पीढ़ी सारी अनन्ता में होते हुए, वह अब भी "**मैं हूं**" है। आप, अब भी वही महान है "**मैं हूं,**" ना कि "मैं था" या "होऊंगा" तौभी आप थे, और आप होंगे। परंतु, फिर भी, आप सदा वर्तमान, "**मैं हूं**" है।

182 कोई आश्चर्य नहीं कि चेले ने कहा, "किसके पास हम जा सकते हैं, प्रभु? किसके पास हम जा सकते? हम देखते हैं कि आप यह चीजें करते हैं। हम जानते हैं कि कोई मनुष्य इन चीजों को नहीं कर सकता, जब तक परमेश्वर उसके साथ ना हो।"

183 निकोदिमस ने यही कहा, "रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरू हो कर आया है। हम यह जानते हैं। हम फरीसी, हम कलीसिया के सदस्य, ये जानते हैं। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम कलीसिया से बाहर निकाल दिए जाएंगे। परन्तु हम जानते है कि तू परमेश्वर की ओर से गुरू हो कर आया है, क्योंकि इन कार्यों को जो तू करता है कोई मनुष्य नहीं कर सकता, जब तक कि परमेश्वर उसके साथ ना हो।"

184 सच में, प्रभु, आज वैसा ही है। आप वही नींव है; वही मार्ग, वही सत्य, वही ज्योति। वही नींव! आप वही आनन्द है। आप वही रूपांतर है। आप सब में वैसे ही हैं। आप कल, आज, और सर्वदा एक से हैं; वही जो हृदय के गुप्त बातों को जानता है। आज, कल, और सर्वदा एक सा है; वही चंगा कर्ता, वही बचाने वाला।

185 प्रभु, हो सकता है यहां पापी हो। थोड़ी देर पहले बीस या तीस हाथ उठे थे, जब मैंने पूछा कौन आपको देखना चाहता है थोड़ी देर पहले। मैंने उन्हें अपनी अंतिम टिप्पणी पर रखा, "जब तक सूर्य चमके प्रतीक्षा करें, तब तुम देखोगे कि तुम कहां पर हो। उन्मत ना हो। कलीसिया से बाहर ना भागे। ये

ना कहे, 'यहां बैठने के लिए बहुत गर्म है, अधिक देर तक नहीं।' परंतु हम थोड़ी देर प्रतीक्षा करें। सूर्य को चमकने दे। उजियाले को आने दे। यीशु को दृश्य पर आकर करने दे वैसे ही करने दे जैसे जब वह पृथ्वी पर था, तब हम देखेंगे कि हमें किस मार्ग से जाना है।" पिता इसे प्रदान करें। हम ये यीशु के नाम में मांगते हैं और उसकी महिमा के लिए। आमीन।

मैं जानता हूं गर्मी है। हमारे पास अधिक समय नहीं है।

186 कितने विश्वास करते हैं कि ये बातें सच्ची हैं? फिरने के लिए कोई और मार्ग नहीं है। कोई और मार्ग नहीं है।

"तो, आप कैसे निश्चित हो सकते हैं? "

187 एक संस्था के रूप में, मैंने कलीसिया को दोषी ठहराया। मैंने नींव को दोषी ठहराया है, जो कि बिशप आदि की शिक्षा पर बना है, "भक्ति के भेष धरते हैं, उसकी शक्ति का इन्कार करते हैं।" क्योंकि, वे दिव्य चंगाई पर विश्वास नहीं करते। वे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में विश्वास नहीं करते। वे संपूर्ण सुसमाचार की शिक्षा पर विश्वास नहीं करते। उनकी नामधारी कलीसिया, पेंटीकोस्टल, बहुत दूर जा रहे हैं। यह ठीक बात है। नाजरीन, पिलग्रिम, होलीनेस, वे भटक गए, क्योंकि उन्होंने मनुष्यों की शिक्षा को स्वीकार करना आरंभ कर दिया, अंजीर के पत्तों का धर्म। मनुष्य, घूमने वाले, "हम कहां जा सकते हैं? " क्या आप सत्तर के समान जा रहे हैं, जो छोड़ कर चले गए?

188 या, आज रात्रि आप पतरस के समान हैं? कहे, "प्रभु, हम कहां जाएंगे? हम किसके पास जा सकते हैं? हम देख चुके हैं कि तेरे पास अनन्त ज्योति का वचन है। आप केवल हैं जिसके पास ये है।"

189 यीशु केवल है जिसके हाथों में आप का प्राण है। आपकी कलीसिया आपकी सहायता नहीं कर सकती। मसीह आपकी सहायता करता है।

190 आप कहां पा सकते है... या कभी विश्वास कर सकते हैं या एक नींव को देखते हैं जो कि मृत्यु के बाद? तो कलीसिया आपके लिए क्या कर सकती है मृत्यु के बाद? आपकी कलीसिया आपके लिए क्या कर सकती है जब डॉक्टर आप को छोड़ दे? कोई मनुष्य आपके लिए क्या कर सकता है जब चिकित्सा विज्ञान आपको छोड़ दे, जब कैंसर आपको खाता है? कुछ नहीं है।

191 परन्तु एक नींव है। वहां एक है। एक मार्ग है। एक ज्योति है। एक परमेश्वर है। एक चंगा करने वाला है। एक बचाने वाला है। एक महिमामय है, और आज रात्रि वह हमारे मध्य में है, क्योंकि उसने प्रतिज्ञा की है कि वह होगा।

192 और उसने कहा, "जहां कहीं मेरे नाम से दो या तीन जमा होंगे, मैं उनके मध्य में होऊंगा। जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे। थोड़ी देर बाद, और संसार," यह साधारण कलीसिया, बाहर वाले, "वे मुझे और ना देखेंगे। तौभी, तुम मुझे देखोगे क्योंकि मैं... " और कोई भी जो व्याकरण विद्यालय में गया हो जानता है "मैं" एक व्यक्तिगत सर्वनाम है। समझे? "मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, और तुम्हारे अंदर होऊंगा, इस संसार के अंत तक। और जो कार्य मैं करता हूं तुम भी करोगे।" उसने कौन से कार्य किए? जैसे पिता ने उसे दिखाया।

193 यही कारण है मैंने अपने अंतिम बयान में कहा, "प्रतीक्षा करें।" मैंने आपको व्यर्थ ही प्रचार नहीं किया है। यदि यीशु वह नहीं करता, जो मैं कहता हूं, जो कि बाईबल ने कहा, उसने किया जिसका मैंने आपसे उल्लेख किया... वह वचन उसने किया, तो फिर मैंने आपको गलत बताया; तो बाईबल गलत है; तो फिर चलकर मुसलमान धर्म को खोजें, बुद्ध को खोजें, कोई और धर्म जो सत्य है।

194 मैं आपको बता दूं, भाइयों, इसके पहले आप उठे, केवल एक ही मार्ग है, केवल एक ही सत्य। केवल एक ही धर्म है जो अस्तित्व में है, जो यह सिद्ध कर सकता है कि उनका संस्थापक मृतकों में से जी उठा और सदा तक जीवित है, आमीन, यह जीवित परमेश्वर की कलीसिया है। उन्होंने मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, और जो कुछ भी है, नज़रीन, पिलग्रिम, होलीनेस, पेंटीकोस्टल बनाये। हर व्यक्ति जो परमेश्वर के राज्य में जन्मा, जिसने यीशु मसीह को स्वीकार किया, वह उस नीव पर बना है वह कभी भी नहीं टल सकता, उस अनंत आशा पर विश्राम कर रहा है। यदपि वे आपके बक्से पर मिट्टी डाल सकते हैं, अब से इस सप्ताह में, तौभी यह आपको जरा सा भी परेशान नहीं करेगा। आप बस इस पुराने भवन से निकल कर, नए वाले में, चले जाएंगे। बस, वह आपको अंतिम दिन उठा खड़ा करेगा।

195 वापस आने के लिए यीशु मसीह ही केवल एक स्थान है। मैं अपने संपूर्ण हृदय से, उसकी ओर फिरा हूं, अपनी सारी सामर्थ से। जैसे मैं आशा करता हूं यदि मेरे पास पांच लाख होते, जैसे कि मुंबई में किया। यहां आज रात्रि छोटे से आराधनालय में, डेढ़ सौ लोगों के या ऐसे ही कुछ, हो सकता है उतने ना हो। उसी प्रकार से, उस पर आश्रित हूं, कि वह स्वयं को आज रात्रि उसी प्रकार प्रकट करेगा, यह आपको समझा देगा कि वह यहां पर है।

196 प्रार्थना पत्र? क्या आपने दिए है? [कोई कहता है, "हां।"—सम्पा।] ठीक बात है। आपने कहा आपने कितने दिए? ["लगभग बीस।"] भाई रुडेल, आज रात्रि वास्तव में, मैं आशा कर रहा था। परंतु बहुत गर्मी थी, लोग जमघट लगा लेंगे यहां ठस जाएंगे, और आदि—आदि। परंतु मेरा अनुमान में यही—यही है, वे... जैसे मैंने पहले किया। मैं जाकर अपनी पत्नी को लाना चाहता हूं, और मैं गया, देखिए... यहां पर कितने थे, और मैं देखता हूं, परन्तु ओह कि यह भरा है मैं बस पीछे से आया। समझे? आकर घुमा, वापस आया।

197 अब, यह गर्म है। परंतु, ओह... [खाली टेप पर खाली जगह—सम्पा।] कुछ थोड़े से, तब हो सकता है थोड़े से और थोड़े, और उनके लिए प्रार्थना करें।

198 अब, मैं यह नहीं कहता कि प्रभु हमारे लिए कुछ विशेष करेगा। संभव है वह करेगा। संभव है ना करें। मैं नहीं जानता।

199 अब, क्या, क्या आपने एक से आरंभ किया? [कोई कहता है, "एक।"—सम्पा।] एक। ठीक है। किसके पास प्रार्थना पत्र नंबर एक है? क्या आप अपना हाथ उठाएंगे। कोई प्रार्थना पत्र नंबर एक के साथ। [कोई कुछ कहता है।] आप निश्चय ही वह है? नम्बर एक? ["आगे बढ़े। जो पीछे खड़े हुए है।"] ओह, मुझे खेद है। ठीक है, महिला, आप यहां आ जाएं।

200 नंबर दो, नंबर दो किसके पास है? प्रार्थना पत्र नंबर दो, क्या आप अपना हाथ उठाएंगे। छोटी लड़की... ओह, मुझे—मुझे खेद है प्रार्थना पत्र नंबर दो, क्या आप अपना हाथ उठाएंगे। ठीक है।

201 आपका मतलब प्रार्थना पत्र नंबर दो यहां नहीं है? महिला। तो ठीक है। महिला सीधे यहां आ जाएं। ठीक यहां पर।

202 नंबर तीन। जल्दी देखिए, हो सकता है कोई बहरा हो, या कोई उठ ना सकता हो। नंबर तीन, अपना हाथ उठाएं, कृपा करके। प्रार्थना पत्र नंबर तीन। ठीक है, श्रीमान। मैं इस व्यक्ति को जानता हूं। ठीक है।

203 नंबर चार, अपना हाथ उठाएं। प्रार्थना पत्र नंबर चार। किसी के पास नंबर चार है, कृपया। यह महिला यहां पर है। मैं विश्वास करता हूं कि मैं इस महिला को जानता हूं मैं गलती ना करूं। मैं सोचता हूं मैं जानता हूं। नंबर चार।

नंबर पांच। पीछे वहां पीछे। ठीक है।

नंबर छह। प्रार्थना पत्र नंबर छह। ठीक है।

नंबर सात। प्रार्थना पत्र नंबर सात। सज्जन पुरुष आ रहे हैं।

नंबर आठ।

204 बिली, क्या तुम वहां जाकर उन्हें पक्का कर दो, ताकि आपके पास खड़े होने को स्थान हो, या कुछ और।

नंबर नौ। किसके पास प्रार्थना पत्र नंबर नौ है?

205 यह महिला यहां है? ठीक है। [बहन कहती है, "नंबर आठ।"—सम्पा।] नंबर आठ। ठीक है।

206 नंबर नौ, किसके पास कार्ड नंबर नौ है? चारों ओर देखे। कोई बहरा हो सकता है। नंबर नौ। नंबर नौ। क्या वे बाहर चले गए? अपने आसपास देखें... कहिए, क्या किसी के हाथ में प्रार्थना पत्र है, आसपास देखे। हो सकता है कोई खड़ा ना हो सकता हो। प्रार्थना पत्र नंबर नौ। हम किसी को छोड़ना नहीं चाहते।

207 क्या यह महिला जो *यहां* है इसके पास नंबर नौ है? [कोई कहता है, "नहीं, श्रीमान। चौदह है।"—सम्पा।] देखिए।

208 [कोई कहता है, "छब्बीस। छब्बीस।"—सम्पा।] नहीं। नहीं। वह—वह, वहां पर है।

209 नंबर नौ। आप तब तक ना आए, जब तक आपका नंबर ना बुलाया जाए, यदि आप। नंबर नौ।

210 मैं इस महिला को जानता हूं। श्रीमती फोर्ड, क्या आपके पास प्रार्थना पत्र नौ है? कोई देखे। हो सकता है वह सुन नही सकती हो। जीनी, क्या

तुम एक मिनट के लिए, वहां जाओगी, और उसे देखोगी? भाई फ्रेंड, यहां आकर बिली की सहायता करें, एक मिनट। ठीक है।

211 नंबर दस, नंबर दस किसके पास है? नंबर नौ, नंबर दस?

212 सब लोग कहां है? ठीक है। हम इनके साथ आरंभ करेंगे, तब, इन्हें लेंगे। ठीक हैं।

213 वहां, श्रोतागणों में कितने है जो मुझे नहीं जानते? *आप* मुझे जानते हैं, और *वह* मुझे जानते हैं। ठीक है।

214 वहां श्रोतागणों में कितने हैं जो मुझे नहीं जानते? और मैं... आप जानते हैं कि मैं नहीं जानता आपके साथ क्या गड़बड़ है, और आप बीमार भी हैं? अपने हाथ उठाएं। ठीक है। ठीक है।

215 आप जो मुझे नहीं जानते, मैं आपको नहीं जानता, मैं चाहता हूं, कि आप यह करें। मैं चाहता हूं कि आप इधर देखें, और उस स्त्री के समान करें, जब हमारे पास यह छोटी सी प्रार्थना पंक्ति है।

216 अब, देखिए, ये लोग बीमार हैं। मैं किसी अपाहिज को नहीं देखता, परंतु—परंतु ये लोग बीमार हैं। अब, यदि इन्हें चंगाई की आवश्यकता है, तो फिर एक व्यक्ति है, जो इन्हें चंगा कर सकता है, वह यीशु मसीह है, एक मनुष्य। अब वह इसे कैसे कर सकता है? वह ये कैसे करता है? क्योंकि आप विश्वास करते हैं कि उसने यह कर दिया है, आप यह विश्वास करते हैं कि उसने यह कर दिया। अब, यदि वह जीवित है, तो वह अब भी चंगा करने वाला है। क्या यह ठीक बात है? अपने हाथ उठाएं। यदि वह अब भी जीवित है, वह अब भी चंगा करने वाला है। ठीक है। तब, यदि वह आप को सिद्ध कर सकता है, कि वह आज रात्रि यहां जीवित है, यदि वह स्वयं को सिद्ध कर सके।

217 अब, वह यहां शारीरिक रुप में नहीं हो सकता, क्योंकि उसकी देह परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठी है। आप में से कितने यह जानते हैं? और जानते है, कि जो पवित्र आत्मा उसमें था, यहां फिर वापस आकर वही कार्य कर रहा है जो उसने जब किए जब वह उसमें था, उसने क्या कहा। ठीक है। अब, यदि वह वही कार्य करें, जो उसने हम में किए।

218 अब, आप जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, और मुझे नहीं जानते है, और अपने हाथ उठाए हैं, आप लोग इधर देखिए, और कहिए, "प्रभु, मैं

विश्वास करता हूं कि आप यहां पर उपस्थित हैं, और मैं आपका वस्त्र छूना चाहता हूं। क्योंकि बाईबल ने कहा आप अब भी वह महायाजक है जो हमारी दुर्बलता की भावनाओं के द्वारा छुआ जा सकता है। मैं बीमार हूं, और मुझे प्रार्थना कि आवश्यकता है। मैं आपका वस्त्र छूना चाहता हूं। तब, आप भाई ब्रंहम के द्वारा बोलना और बताना कि क्या करूं।" बस—बस वही करें, ढूंढिए कि वह यहां है, या नहीं,

219 प्रार्थना पंक्ति में पहला कौन है? ठीक है। क्या वो... यह महिला जो, यहां कुर्सी में है? ठीक है। ठीक है।

220 पहली बात, मैं—मैं विश्वास करता हूं कि मैं—मैं आपको नहीं जानता, मैं नहीं सोचता। हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। [बहन कहती है, "जी, हां, हम अपरिचित है।—सम्पा।] हम अपरिचित हैं। ठीक है। अब, यहां एक महिला है जिसे मैं नहीं जानता। मैं इसके विषय में कुछ नहीं जानता। मैंने इसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा। ये मेरे लिए अपरिचित है।

221 और हम यहां एक चित्र के समान है, जैसी कि यह बाईबल में है। यहां एक पुरुष और महिला भेंट करते हैं, जैसे कि यूहन्ना 4 में, यदि आप इसे पढ़ना चाहे। यीशु ने कुएं पर एक महिला से भेंट की। और उसने उसे कभी नहीं देखा, और महिला ने उसे पहले कभी नहीं देखा।

222 इसलिए उसने कहा, "स्त्री, मेरे लिए पानी ला।" वह क्या कर रहा था? उसकी आत्मा से संबंध बना रहा था।

223 और उसने कहा, "यह रीति नहीं है कि एक यहूदी सामरी से ऐसा कहे। हम व्यवहार नहीं रखते।"

उसने कहा, "जा जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरे कोई पति नहीं है।"

224 कहा, "यह सत्य है। तेरे पास पांच है। और जिसके साथ तू रह रही है वह भी तेरा नहीं है।"

225 उसने कहा, "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं। अब, हम जानते हैं कि हम सामरी जानते हैं, कि जब मसीह आता है, वह ये सब बातें बताएगा। परंतु तू कौन है? "

उसने कहा, "मैं वही हूं, जो तुझ से बातें करता है।"

226 और वह दौड़ी, और सारे नगर को बता दिया। "आओ, देखो एक मनुष्य उसने मुझे सारी बातें बता दी जो मैंने की," या उसके विषय में। "क्या यही तो मसीह नहीं है?"

227 अच्छा, यदि उस दिन में मसीह का यह चिन्ह था, और वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है, तो क्या वह आज वैसा ना होगा जैसा वह तब था? क्या वह वही कार्य नहीं करेगा?

228 इस भवन में आप में से कितने पापी, या नहीं, इसका विश्वास करेंगे यदि वह इसे वैसा ही करें? आपके हाथ देखें।

229 अब यह मेरा हाथ है। जहां तक मैं जानता हूं, मैंने इस महिला को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। [बहन कहती है, "धन्यवाद, यीशु।"—सम्पा।] ये यहां खड़ी हुई कह रही है, "धन्यवाद, यीशु।" यह मसीही हो सकती है। यह नहीं भी हो सकती।

230 बहुत से लोग कहते है, "धन्यवाद, यीशु," और उसके विषय में कुछ नहीं जानते। उनमें से बहुत से। समझे? उसने कहा, "मेरे पास उस दिन बहुत से, मेरे पास आएंगे, कहते हुए, 'प्रभु, प्रभु।' मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना," उसने कहा।

231 अब यदि यीशु कल, आज, और सर्वदा एक सा है, और वह यहां हमारे मध्य में हैं, यदि मैं स्वयं को उसके सामने नम्र कर सकूं, कि स्वयं को उसे समर्पित करूं, तब वह मेरे द्वारा कार्य करेगा जैसे कि उसने अपने किए... परमेश्वर मेरे द्वारा कार्य करेगा, जैसे उसने यीशु के द्वारा, उस महिला के साथ कुएं पर किया? क्या ये ठीक बात है? अब, हम दोनों ने यहां कभी एक दूसरे को नहीं देखा। क्या इससे आप सबको विश्वास होगा? क्या ये आपके विश्वास को दृढ़ करेगा? यदि वह यहां है, यदि वह जीवित हैं, तो वह अब भी आपका बचाने वाला है, अब भी चंगा करने वाला है। क्या ठीक बात है? अब देखिए यदि वह चाहे।

232 अब, परमेश्वर, यह आपके हाथों में हैं। बाकी सब आपका है, क्योंकि हम जानते हैं कि मनुष्य इन बातों को नहीं कर सकता। यह तो आपकी ही ओर से आई है। कृपा करके, पिता, आज रात्रि लोगों के लाभ के लिए जो यहां बैठे हैं, सुसमाचार की महिमा के लिए, आज रात्रि यह होने दे, पिता, कि लोग यह जान सके कि आप अब भी यीशु मसीह हैं, कल, आज और सर्वदा एक से हैं।

233 और वो—वो अंधकार जो कि अब कुछ के ह्रदयो में हो सकता है ना जानते हुए, अनुमान लगाते हुए, बहुत ही अच्छा हो, यदि आप आकर ज्योति चमकाएं, होने पाए वे मार्ग को देखें, और फिर वे तुझ में आ जाएं। वे बीमार है, वे चंगे हो जाएं। यदि वे खोए हुए है, वे बच जाएं। हम मुड़कर किनारे की ओर देखें, जब पुत्र उठता है। प्रभु, इसे प्रदान करें। होने पाए "धार्मिकता का सूर्य अपने चंगा करने वालो पंखों के साथ उठे," और अपने महान जीव को इस स्थान पर फैलाए पिता। इसे ग्रहण करें। हम यह परमेश्वर की महिमा के लिए मांगते हैं, यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

234 मैं आपको चाहता हूं, कि आदर भाव में रहे क्योंकि हम अनुभव करते हैं कि हम नहीं कर सकते... यह खेलने की कलीसिया नहीं है। यह सामर्थी परमेश्वर की उपस्थिति कहलाती है इस छोटे से भवन में।

235 अब आप देखते है कि मैं कहां खड़ा हूं? यहां एक सौ पचास लोग हैं। मैंने यह दसियो हजार लोगों के सामने कह चुका हूं, और जितने सेकड़ो हजार लोग, पांच सौ हजार लोग, एक समय में, जहां वे उन नास्तिक, अविश्वासियो, विधर्मी, सपेरे और सब चीजें। वह असफल नहीं होगा।

236 अब, इसे यह सिद्ध करना है कि बाईबल का परमेश्वर है, या फिर वह बाईबल का परमेश्वर नहीं है। और यदि वह बाईबल का परमेश्वर है, तो वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है, यदि वह इस महिला को बता सकता है कि वह यहां किसलिए है। मैंने उसे कभी नहीं देखा। या, उसे कुछ बताएं जो वह जानती है मैं उसके विषय में कुछ नहीं जानता। यदि वह यह बता सके कि वह यहां किसलिए है, जैसा उसने कुएं पर उस महिला के साथ किया, यदि वह उस महिला को उसका कुछ समझा सके जो वह जानती है। यदि मैं उसे जानता तक नहीं हूं, और वह मुझे नहीं जानती, हम यहां पर जीवन में पहली बार खड़े हैं, निश्चय ही वह आपको बुरी तरह हिला देगा, जब तक कि सारी धुंध आप पर से ना हट जाए। वह यह ग्रहण करें, यह मेरी प्रार्थना है।

237 अब, यह महिला जो प्रार्थना के लिए यहां खड़ी है, अब मैं चाहता हूं कि प्रत्येक विश्वास करें। अब, महिला को ना जानते हुए, मैं उससे थोड़ी सी बातचीत करना चाहता हूं थोड़ी देर के लिए, जैसा कि हमारे प्रभु ने किया कुएं पर—पर वो—वो महिला उसकी आत्मा से संबंध बनाने के लिए।

238 अब, हम सम्भवत:... इसके पहले हम कभी भी नहीं मिले, परंतु फिर परमेश्वर आपको जानता है, और वह मुझे जानता है। यदि वह मुझे यह बता सके कि आप यहां किस लिए आई हैं, मुझे पूछने के लिए, कुछ ऐसा जो—जो आप जानती हैं। और मैं आपके विषय में कुछ नहीं जानता।

239 अब, यदि उसने आपको यहां भेजा, और मुझे यहां लाया है, ताकि आपको बता सके, या वह मेरे द्वारा बात करें और मुझे बताएं कि आप यहां मंच पर क्यों आई है, क्या इससे आप उस पर विश्वास करेगी? [बहन कहती है, "हां, यह करेगा।"—सम्पा।] यह आपसे विश्वास करवाएगा? अब, मैं देखता हूं।

240 और भक्तगणों ने कहा वे विश्वास करेंगे। अब, हम यहां पर किसी चीज के घटित होने के लिए तैयार हैं, यदि परमेश्वर अब भी परमेश्वर है। वही चीज जो यीशु मसीह ने की!

241 अब मैं महिला को देख सकता हूं। वह मुझ से अपनी आंखों के लिए प्रार्थना करवाना चाहती है। उसकी आंखों में कुछ तो गडबड है। अब, यह अनुमान नहीं था। यह ठीक बात है। उसकी दृष्टि उसे असफल कर रही है, और वह अपनी आंखों के लिए प्रार्थना करवाना चाहती है। यह सच्चाई है। यही... यदि यह सत्य है, तो अपना रुमाल उनकी और हिलाएं, बहन।

242 अब, मैंने इन्हें अपने जीवन में कभी नहीं देखा। यह किसने किया? यह किसने किया? यह भली स्त्री मालूम पड़ती है। आप सोचते हैं मैंने अनुमान लगाया है? ठीक है, हम देखेंगे।

243 अब, महिला, अब से इस कलीसिया से सारे संदेह निकाल दिए जाएं, ताकि जब भाई रुडेल प्रचार करे कि, "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है," और यह इस प्रचार मंच से जाना जा सके, कि मसीह यीशु ने अपनी महिमा प्रगट की है उसकी महिमा ने यह सिद्ध कर दिया है:

244 अब, हां, मैं इसे देखता हूं... उसकी आंखें खराब हो रही है। यह एसटीमेंटेशन की बीमारी है जो उसकी आंखों में है। तब, दूसरी बात, उसके साथ कुछ गड़बड़ है। उसके पास एक... उसका एक प्रकार का ऑपरेशन हुआ है। उसने मांस में एक बड़ा निशान बना दिया है। ये इस नगर से नहीं है। ना ही ये इस प्रान्त से है। यह केन्टकी से है। यह ठीक बात है। और इसके पास एक लड़की है जिसके लिए यह प्रार्थना करवाना चाहती है। एक छोटी लड़की, लगभग आठ या दस वर्ष की। वह उस पुत्री के लिए

प्रार्थना करवाना चाहती है क्योंकि पुत्री का ऑपरेशन होना है। यह **यहोवा यों कहता है** है।

245 देखिए यह सत्य है या नहीं। महिला, क्या यह सत्य था? यदि यह सत्य है, महिला तो लोगों की ओर फिर से रुमाल हिलाएं। [बहन कहती है, "धन्यवाद, यीशु। वह केवल छह वर्ष की है।"—सम्पा।] यह छोटी लड़की है। ठीक है।

246 आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपका क्या नाम है? यदि परमेश्वर... यहां पर, मैं आपको कुछ दिखाऊंगा। यहां एक व्यक्ति, आपके बराबर में खड़ा है, आपका पति है। यहां एक व्यक्ति आपके बराबर में खड़ा है। यह ठीक बात है। उसे भी चंगाई की आवश्यकता है। उसे गठिया हैं। यह ठीक बात है। आपका नाम केम्पर है। यह ठीक बात है। और आप केन्टकी से हैं। वापस केन्टकी में जाएं, और प्राप्त करें... इस रुमाल को लेकर और उस बच्चे पर रख दें। अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करें, कोई ऑपरेशन नहीं। आमीन। आप अपने पुरे हृदय से विश्वास करती हैं?

247 यह महिला जीवन का लगभग विश्वकोश है। मैं अपने हाथों को पकड़े हूं, मैंने इसे अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा। ठीक है।

248 अब, देखिए, इसने किसे छुआ? इस ने क्या किया? उसने उस महायाजक को छुआ। उसने उसे छुआ जो कि हमारी दुर्बलता की भावनाओं में छुआ जा सकता है। आमीन।

249 अब, चंगाई परमेश्वर की अपनी गवाही है, उसकी अपनी महिमा। ठीक है।

250 आप, विश्वास करती हैं कि आप मेरे लिए अपरिचित है। मैं विश्वास नहीं करता कि मैं आपको जानता हूं। परमेश्वर आपको जानता है। यदि परमेश्वर मुझ पर प्रगट कर दें कि आपकी परेशानी क्या है, या आप क्या चाहती हैं; चाहे ये बीमारी हो, या घरेलू, या यह जो भी है; आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करेगी, महिला क्या आप करेगी?

251 अब, यहाँ दूसरी महिला है जिसे मैं नहीं जानता, और वह मुझे नहीं जानती। हम एक दूसरे के लिए पूरी रीति से अपरिचित हैं। जीवन में यह हमारा मिलने का पहला समय है। परंतु, यदि पवित्र आत्मा आ सकता है, यहां उसकी उपस्थिति आ सकती है और इस महिला के विषय में हमें बताएं!

252 अब, इसे चंगा करने के लिए, मैं यह नहीं कर सकता। वो... परमेश्वर ने जब वह कलवरी पर मरा कर दिया। यदि यह पापी है, मैं इसे नहीं बचा सकता। क्योंकि, यीशु ने यह कर दिया... यह पहले ही पूरा हो चुका। परंतु वह अपने जीवन में यहां आकर उपस्थित हो सकता है, यह दर्शाने के लिए कि वह अब भी जीवित है, और उसके कार्य अब भी वास्तविक हैं, हमारे लिए वास्तविक हैं, यदि हम इसका विश्वास कर सकें।

253 "यदि तू विश्वास करें तो सारी चीजें संभव है।" यदि केवल तू बस विश्वास कर सके। परमेश्वर में विश्वास करें। संदेह ना करें।

अब, कोई अच्छा अनुभव कर रहा है। अब, वह ठीक है।

254 मैं केन्टकी प्रान्त से होकर निकल रहा था, उस दिन, मैं एक व्यक्ति को झाड़ियों में से चिल्लाते हुए आते देखा। मैंने कहा, "क्या यह मनुष्य... इसके साथ क्या मामला है? "

बोला, "उसने पी है और अच्छा अनुभव कर रहा है।"

255 ऐसे ही यह व्यक्ति है, परंतु इसने अलग प्रकार की पी है। पीया और अच्छा अनुभव कर रहा है। यह ठीक बात है। "इसलिए कठोर पेय को ना पीए, परंतु आत्मा को पीए, " बाईबल ने कहा।

256 अब, यह महिला अपरिचित के समान, यदि परमेश्वर बता सके कि उसकी क्या परेशानी है, या उसके विषय में, जो वह जानती है, कि मैं नहीं जानता, वह इसकी गवाह हो, वह जान जाएगी, कि यह सत्य है कि नहीं। महिला, यह ठीक बात है? यदि परमेश्वर ने यह किया तो आपकी सहायता होगी? अब, आपको चंगा करने के लिए बहन, यदि मैं आपको चंगा कर सकता होता, तो मैं ये कर देता, परंतु मैं नहीं कर सकता। मैं केवल एक मनुष्य हूं।

257 परंतु यह महिला यहां प्रार्थना करवाने के लिए है। इसके पित्त में पत्थरी है। यह ठीक बात है। और इसे मधुमेह भी है। जिसके लिए आप प्रार्थना करवाना चाहती हैं, महिला ऐसा नहीं है, क्या? यदि ठीक है, तो आप अपना हाथ उठाएं, ताकि लोग देख सके। आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? क्या इससे आपकी सहायता होगी? यह करेगा? तो, फिर श्रीमती जॉनसन वापस जाकर अपने स्थान में बैठ जाएं, और चंगी हो जाएं, यदि आप यह प्रभु यीशु के नाम में विश्वास करती हैं।

258 यदि आप विश्वास नहीं कर सकते, तो मैं नहीं जानता कि गलत है। कुछ तो गड़बड़ है। क्या आप नहीं देखते? पुत्र का उजियाला चमक रहा है। यह वही चीज है जो यीशु मसीह ने किया।

259 मैं इस व्यक्ति को जानता हूं। मैं... इसकी सास यहां पर है। और—और मैं उसकी पत्नी को जानता हूं। मैंने इन्हें बहुत लंबे समय से नहीं देखा। इनका नाम जेम्स मोरिस है। परंतु मैं नहीं जानता कि ये यहां क्यों है। मैं नहीं जानता कि इनके साथ क्या गड़बड़ी है। मैंने जिम को बहुत लंबे समय से नहीं देखा। परंतु मैं... जब मैं छोटा लड़का था यह मुझे तब से जानते हैं। परंतु, जिम, यदि प्रभु मुझ पर प्रगट कर सके कि तुम यहां किसलिए हो, तो तुम यह स्वीकार करोगे, जैसे... तुमने तब विश्वास किया था कि जो तुम मांगोगे तुमको मिल जाएगा? [भाई कहता है, "आमीन।"—सम्पा।] तुम यहां एक पुत्र के लिए हो। यह एक मस्तिष्क की दशा है। तुम विश्वास करते हो कि वह चंगा हो जाएगा? ["आमीन।"] तो जाओ इस बात का विश्वास करो। केवल विश्वास करो, अपने पूरे हृदय से। (सोचता हूं मुझे भाई जिम के द्वारा आना है।)

260 मैं इस महिला को जानता हूं। ये मेरे बहुत ही प्रिय मित्र कि पत्नी है। इनका नाम हिमेल हेबर है। अधिक समय नहीं हुआ, मैंने इनको बड़े बाजार में देखा था। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि आपके साथ क्या गड़बड़ी है। मैं आपको जानता हूं। मैं आपके पति को जानता हूं। आपका पति और मैं लड़कों के समान एक साथ बड़े हुए हैं। और उसने अध्ययन किया, पैरों की चिकित्सा का मेरा विश्वास है, कि एक पैरों का चिकित्सिक बने। यह ठीक बात है। और मैं... जानने के लिए आपके साथ क्या गड़बड़ी है। परंतु यदि प्रभु मुझ पर प्रगट करेगा...

261 अब श्रीमती हिमेल हेबर गिलबर्ट के—के—के—के कारण, और उसकी बहन के कारण, जिसके साथ में जाया करता था, यदि उन के—के कारण मैं आपको चंगा कर सकता होता, तो मैं करता, परंतु मैं नहीं कर सकता। परंतु वह करेगा, यदि अब आप विश्वास करें। और वह आपको बतलाए कि—कि... ठीक है, मैं आपका नाम जानता हूं। और मैं आपको लंबे समय से जानता हूं, परंतु मैं नहीं जानता कि आपके साथ क्या गड़बड़ी है। यदि परमेश्वर मुझे बताएगा कि आपके साथ क्या गड़बड़ी है, तो क्या आप उस पर विश्वास करेंगी, अपनी चंगाई के लिए? बाए आपकी समस्या

है। मैं आपको अकड़ा हुआ देखता हूं, प्रातः आप बिस्तर पर से उठने का यत्न कर रही हैं। यह बिल्कुल ठीक बात है। ठीक है। घर वापस जाएं और अपनी चंगाई प्राप्त करें, श्रीमती हेमल हेबर। प्रभु परमेश्वर आपको चंगा करता है। अपने पूरे हृदय से विश्वास करें।

262 प्रभु आपको आशीष दे। क्या आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? परमेश्वर में विश्वास रखें। ठीक है।

263 यहां एक महिला है। बहन, इधर देखे। नहीं, मैं इस महिला को नहीं जानता। मैं समझता हूं कि हम एक दूसरे को नहीं जानते। परंतु परमेश्वर हमें जानता है, क्या यह ठीक बात है? हम वर्षों के, अंतर से जन्मे हैं, परंतु यह हमारी पहली भेंट का समय है, जैसा कि मैं जानता हूं, या आप जानती हैं। यह हमारी पहली भेंट है। आप इसे उसका सिर हिलाते हुए देख सकते हैं। यह ठीक बात है। यह पहली बार है कि मैंने इस महिला को अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा। परंतु—परंतु परमेश्वर हम दोनों को जानता है। वह हमें हमारे बचपन से जानता था। वह हमें जानता था। वह संसार के रचने से पहले हमें जानता था। वह जानता था कि आज रात्रि हम यहां पर खड़े होंगे।

264 इसके पहले कि एक—एक परमाणु या एक अणु होता वह जानता था, कि यह घटना घटित होगी। वह—वह यह जानता था, क्योंकि वह था। वह अनंत है। इसके पहले कि संसार बनता वह हर बात को जानता था। वह इसके पहले कुछ घटता सब जानता था। वह हर कीड़े को जानता था, हर बार कि वह कितनी बार पलक मारेगा। वह सब जानता है, क्योंकि वह अनंत है। समझे? और आप अनंत को किसी चीज में सीमित नहीं कर सकते। वह तो बस... वो... उसमें तो सिद्धता की सिद्धता वास करती थी। वह तो बस आ गया। बस यही था। समझे?

265 अब, यदि वह मुझे बता सके कि आपकी क्या परेशानी है, तो फिर क्या आप अपने पूरे हृदय से उस पर विश्वास कर सकेंगे? [बहन कहती है, "प्रभु!"—सम्पा।] आप अपने पूरे हृदय से? ["हां।"] ठीक हैं।

266 आप हृदय रोग से पीड़ित हैं जिसके लिए आप प्रार्थना करवाना चाहती हैं। हृदय। यह ठीक बात है।

267 अब, यदपि आपके हृदय पर कुछ और है। देखिए, मैंने वह पकड़ लिया है। देखा? आपने सोचा कि, "इस बात के कहने से पहले वह मुझे वापस

कर देंगे? " नहीं। मैं आपको बताने जा रहा हूं। आप यहां एक लड़के के लिए अपने पुत्र के लिए हैं। यह ठीक बात है। और वह पुत्र यहां पर नहीं है। वह पुत्र ओहियो में है। वह टी बी के अस्पताल में है, टी बी है। वह बचा हुआ नहीं है। और आप उसके प्राण के लिए प्रार्थना कर रही हैं, और उसके चंगा होने के लिए। **यहोवा यों कहता है।**

268 मैं चुनौती देता हूं कि क्या आप इसे परख लें, और देखिए यदि यह ठीक है कि नहीं। यह सत्य है। महिला, क्या नहीं? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान। आमीन।"—सम्पा।] यह सत्य है। ["हां।"] ठीक है। मैं चंगा नहीं कर सकती है। क्या आप विश्वास करेगी? ["जी हां, श्रीमान।"] तो फिर जाइए प्राप्त करिए। जैसे कि आपने इसका विश्वास किया है, यह बिल्कुल वही है जो आप प्राप्त करेगी। प्रभु के नाम में जाएं। आमीन।

269 आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? देखा? वह... तो, वह ज्योति चमक रही है। हम जानते हैं कि अब हम कहां हैं। हम प्रभु यीशु की उपस्थिति में हैं।

आप कहते हैं, "वह आपका मस्तिष्क पढ़ रहा है।"

270 ठीक है। मैं इस महिला की ओर देखूंगा भी नहीं। महिला, अपना हाथ मेरे ऊपर रखें। यदि प्रभु मुझे इस रीति से बताएं, *इस* ओर देख रहा हूं, आपके साथ क्या गड़बड़ है, क्या आप इसका विश्वास करेंगे? और आप विश्वास करती हैं कि आप चंगी हो जाएंगे? यह आपके पीठ के पीछे हैं। यह ठीक बात है। यदि यह ठीक है तो मेरे हाथ पर से अपना हाथ ऊपर उठाएं। जाइए चंगे हो जाए। यीशु मसीह आपको चंगा करता है। देखा? ठीक है।

271 वह—वह प्रभु यीशु कल, आज और सर्वदा एक सा है। ठीक है।

272 यह मनुष्य आ रहा है, आप गठिया से चंगा होना चाहते हैं? आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? वापस जाओ और चंगे हो जाओ। यह कितना साधारण है। बस इसका विश्वास करो। अपनी जगह पर जाएं और कहें, "मैं पूरे हृदय से विश्वास करता हूं, अपने सारे मस्तिष्क से।" आप चंगे हो जाएंगे। केवल इसका, अपने पूर्ण हृदय से विश्वास करें। सन्देह ना करें। ठीक है, श्रीमान।

273 यह महिला यहां है, निःसंदेह आप देख रहे हैं कि वह हिल रही है। उसे फालिज हुआ है। हो सकता है कुछ और गडबड हो। चलिए देखते हैं।

जी हां, श्रीमान। इसे मधुमेह हैं। मां, आप विश्वास करती है कि परमेश्वर आपको इस मधुमेह से चंगा कर देगा?

274 प्रभु परमेश्वर, हम इस बुरी वस्तु को दोषी ठहराते हैं। यीशु मसीह के नाम में यह चंगी हो जाए। आमीन।

अपनी जगह पर जाएं और बहन चंगी हो जाए।

275 आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते है?

276 आपको क्या है, जो वहां बैठे हैं? आप विश्वास करते हैं? आप मुझे परमेश्वर का भविष्यवक्ता हूं विश्वास करते हैं? यदि... आप विश्वास कर सके।

277 आप जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, आप—आप जो बीमार और आवश्यकता में हैं, परमेश्वर में विश्वास रखें। आप विश्वास कर सकते हैं। ठीक है।

278 आप इस लड़के को चंगाई के लिए लाए हैं। जो उसकी पीठ पर है। यह सही है। वह अपाहिज है। आप विश्वास करते हैं कि आप उसे वापस अरकांसस ले जा सकते हैं, और चंगे हो जाए, और वह ठीक हो जाए? आप उन सिगरेटो को छोड़ना चाहते हैं, और कहते हैं, "मैं छोड़ दूंगा," और... और—और प्रभु की सेवा करूंगा और जो ठीक है? वह करूंगा? ठीक है। ठीक है। तो फिर जाइए, अब इस बालक पर अपना हाथ रखिए, जबकि आप वहां खड़े हुए हैं। स्वर्ग का प्रभु परमेश्वर बालक को चंगा करें। और इसे...

मैं विश्वास करने के लिए आपको चुनौती देता हूं।

279 वहां एक महिला बैठी हुई, अपनी आंखें नीचे करें हुए देख रही है, मेरी ओर देख रही है। आपके पांव में तकलीफ है। यह ठीक बात है। आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? क्या आप मुझ पर विश्वास करेंगी? श्रीमती वर्ली। तो ठीक है, श्रीमान, यह बिल्कुल ठीक है। आपको अपने जीवन में कभी नहीं देखा। वह जो आपके पीछे बैठा है वह आपका पति है। वह एक प्रचारक है। उसे मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा, परंतु यह सत्य है।

280 आप विश्वास करते हैं परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपके साथ क्या मामला है, श्रीमान? आपके मुंह पर एक जगह है, आपको नहीं मालूम

कि वह कैंसर है कि क्या नहीं मालूम कि यह क्या है। फट भी गया है, यह ठीक बात है। आप चंगा होना चाहते हैं। यह ठीक बात है, श्रीमान वोर्ले। ठीक है। आप अपने पूर्ण हृदय से विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "हां।"—सम्पा।] तो फिर जाएं और अपनी चंगाई को प्रभु यीशु के नाम से ग्रहण करें। यही है। यह ठीक बात है।

281 आपकी आंखों के विषय में क्या है? आप विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा, वहां पीछे मेरी ओर देख रहे हैं? ठीक है। यदि आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करें। परमेश्वर में विश्वास रखना हैं, बस आपको यही करना है।

282 ओह, अब! यह सब जगह हो रहा है, यदि, आप बस इसका विश्वास करें। अब यह यहां बहुत हो रहा है, हर कोई विश्वास करना चाह रहा है। अब क्या आप विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर का पुत्र है? आप विश्वास करते हैं कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है?

283 अब, क्या यहां कोई ऐसा व्यक्ति है जो उसे अपना बचाने वाला है नहीं जानता, और आप बचना चाहते हैं? क्या आप यह करना चाहेंगे? आपने पवित्र आत्मा कभी नहीं पाया, और आप आकर मसीह में होना चाहते हैं, ताकि आप एक विश्वासी हो सके? अपना हाथ उठाएं, यदि आप कहे, "मैं चाहूंगा... " परमेश्वर आपको आशीष दे। यहां वेदी पर आ जाएं, इसी समय।

284 हमें यहां प्यानो पर स्वर दे, एक मिनट इसके पहले कि हम समाप्त करें।

285 मैं यहां मेरी पर आपको निमंत्रण देता हूं। सीधे यहां आए और घुटने टेके। ऐसा ही है, युवा। सीधे खड़े हो। यहां आए, छोटी लड़की। तुम वह... तुम इस छोटे लड़के को देखें। यह किसी के लिए लज्जा होना चाहिए। आप वहां सामने जाना चाहते हैं? आप उसके पास आना चाहते हैं? अभी आ जाएं। सीधे यहां आए। आमीन। अब सीधे यहां पवित्र आत्मा की उपस्थिति में आए। यह ठीक बात है, भाई। अब, आ जाए। क्या आप यहां आकर अपने घुटने नहीं टिकाएंगे, इसके पहले कि चंगाई सभा आगे बढ़े। सीधे यहां आ जाएं और अपने प्राण में चंगाई प्राप्त करें, तब देखिए क्या होता है। मसीह में आ जाए।

286 वह मार्ग है, सच्चाई, ज्योति है। उसे छोड़कर कोई नहीं आ सकता। कहते है, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, लूथरन, आप जो भी है,

जिसने भी पवित्र आत्मा नहीं पाया, अब करने के लिए यह समय है। आप अभी आ जाए, और मसीह में आ जाएं। आप इस पर आश्चर्य करेंगे। आप नहीं जानते कि इसे कैसे पकड़े। आप इसे नहीं समझेंगे, जब तक आप पवित्र आत्मा नहीं पाते। अब आ जाएं।

287 यदि मैंने सत्य बताया है, परमेश्वर मुझसे बोला है। परमेश्वर मेरे द्वारा बोला। मैंने आपको सच बताया। केवल वही मार्ग है। केवल वहीं नींव है। केवल वही उद्धार है। "स्वर्ग के नीचे किसी और नाम को उद्धार के लिए नहीं दिया गया है, सिवाए मसीह यीशु के।" क्या आप आकर, अब उसे स्वीकार नहीं करेंगे?

288 वहां पीछे कितने पिछड़े हुए लोग हैं, जो यहां आना चाहते हैं, और अब घुटने टिकाते हैं? आप जो पिछड़े गए और परमेश्वर से दूर चले गए, क्या आप अब आएंगे? आगे आइए। यही घड़ी है।

289 अब देखिए। यदि आप इसे छोड़ते हैं, मैं नहीं जानता कि आप में से कोई है, आपके लिए, कोई आशा है, या नहीं। अब, मैं इसलिए नहीं कह रहा हूं कि मैं यहां खड़ा हूं। परंतु मित्रों मैं आपको बता रहा हूं, कि परमेश्वर क्या कुछ और कर सकता है? यह समय है। यह घड़ी है कि परमेश्वर लोगों से बातें कर रहा है।

290 यह ठीक है, बहन। यह ठीक है, बहन। आ जाइए। यह वह घड़ी है। यह आपका समय है। आप इससे अधिक समीपता में कभी नहीं होंगे, जब तक की आप मर कर उसकी उपस्थिति में ना पहुंच जाएं। वह ठीक यहां पर है, स्वयं को जीवित सिद्ध कर रहा है। क्या आप नहीं आएंगे?

ओह परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं! मैं आता हूं!

जैसा भी मैं हूं, बगैर किस बात के,
परंतु तेरा लहू मेरे लिए बहाया गया,
और जैसे कि मैं आता हूं, मैं विश्वास करूंगा,
ओह परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं! मैं आता हूं!

जैसा मैं हूं, और बिना प्रतीक्षा के
के मेरे प्राण को छुड़ा...

291 उनके एक गहरा दाग है, वह अविश्वास है। आइए यही है।

तेरा, जिसका लहू हर दाग को साफ करता है,
ओह परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं! मैं...

292 आप उसे कैसे छोड़ सकते हैं, जबकि वह वचनों में होकर आया, व्यक्ति में आया, मैं आपको बता दूं, वह यहां है, आपसे बातें कर रहा है, क्या आपसे इस समय बातें कर रहा है? वह छोटी आवाज आप से बातें कर रही है। यह परमेश्वर है। वह चाहता है कि आप आए। मित्रों हम और अधिक समय तक यहां पर नहीं है। हम यहां से जा रहे हैं। क्या आप लोग आकर इस लोगों के झुंड के साथ घुटने नहीं टेकेंगे? कहे, "परमेश्वर, मुझ पर दया कर। अब मैं मसीह को स्वीकार करना चाहता हूं। मैं नया जन्म लेना चाहता हूं। मैं पवित्र आत्मा से भर जाना चाहता हूं। मैं कुछ वास्तविक चाहता हूं। मैं वास्तविक होना चाहता हूं।"

293 अभी आए, इस वेदी के चारों ओर जैसे कि हम अगले पद को गाते है। क्या अब आप आएंगे जबकि हम आते हैं?

294 अब, कुछ अच्छे मसीही लोग यहां पर आएं, उनके आसपास। आप में से कुछ बीमार आए हैं, घुटने भी टेके हैं। आप में से कुछ जो मसीही हैं, आकर और इनके साथ घुटने टेक ले, जैसे कि हम प्रार्थना करते हैं।

... पाना,
स्वागत करेगा, पापों को क्षमा, आराम;
क्योंकि...

आप इन पापियों के साथ आए। आप इनके साथ आए।

... मैं विश्वास करता हूं,
ओह परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं!

मैं यहां पर आता हूं... ? ...

जैसा मैं हूं, और प्रतीक्षा ना करते हुए
मेरे प्राण को बचाने के लिए एक गहरे से,
तेरे पास, जिसका लहू हर दाग को साफ कर सकता है,
ओह परमेश्वर के मेमने...

295 यदि आप नहीं आते हैं तो आप आशीषो को खो देंगे।

जैसा मैं हूं, तू मुझे स्वीकार करेगा,
स्वागत करेगा, क्षमा, शुद्ध, आराम;
तेरे पास, जिसका लहू हर दाग को साफ कर सकता
है,
ओह परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं! मैं आता हूं!

296 ठीक है। अब सारी कलीसिया अपने सिरों को झुकाए। हर कोई प्रार्थना में, यहां इस वेदी के चारों ओर के लोगों के लिए, प्रार्थना करें प्रत्येक।

297 यहां वेदी पर प्रत्येक अब आप बहाए गए लहू के आधार पर आये है। आप यहां पवित्र आत्मा प्राप्त करने के लिए आए हैं। आप अपने पापों की क्षमा के लिए आए हैं; परमेश्वर, जो न्यायी और चाहता है।

298 वहां जल प्रतीक्षा कर रहा होगा। आप जलाशय पर आ सकते हैं, कल बपतिस्मा लेने के लिए, वहां आराधनालय में, यदि पास्टर आपको वहां लाना चाहता है।

299 "आप में से प्रत्येक प्राश्चित करें और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।"

300 "अभी पतरस इन वचनों को बोल ही रहा था, जिन्होंने यह सुना पवित्र आत्मा उन पर उतर आया, क्योंकि उन्होंने उन्हें अन्य भाषाओं में बोलते हुए सुना था।"

301 स्वर्ग का परमेश्वर, जो चेलों के साथ था, जो कि सदा का परमेश्वर है, आज रात्रि वह यहां है।

302 अब हर एक प्रार्थना में हो। हर एक अपनी आवाज को ऊंचा करके प्रार्थना करें, जबकि पास्टर हमारी अगुवाई करते हैं।

भाई रुडेल। ठीक है।

किसके पास जाएंगे हम? HIN60-0604

(To Whom Shall We Go?)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 4 जून, 1960 को गोस्पल टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org